घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 44- रविवार 14- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

मेसी ने हैदराबाद में बच्चों के साथ फुटबॉल खेला

कोलकाता स्टेडियम से जल्दी निकले,तो फैंस ने तोड़फोड़ की

नई दिल्ली,13 दिसम्बर 2025। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी 3 दिन के इंडिया टूर पर हैं। उन्होंने शनिवार को कोलकाता में अपनी 70 फीट ऊंची मूर्ती का उद्घाटन किया। फिर देर शाम हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में सीएम रेवंत रेड्डी और बच्चों के साथ फुटबॉल खेला। मेसी दोपहर 2 बजे कोलकाता से निकले और शाम करीब 5 बजे हैदराबाद पहुंचे। वे रात 8 बजे उप्पल स्टेडियम पहुंचे। यहां साथी खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुईस सुआरेज के साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों की ओर फुटबॉल फेंकी। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मेसी से मिले। मेसी यूनाइटेड नेशंस के चाइल्ड ऑर्गेनाइजेशन UNICEF के ब्रांड एम्बेसडर हैं, इसके तहत वे भारत में 'GOAT इंडिया' टूर कर रहे हैं। मेसी को 4 शहरों का दौरा करना है। इनमें हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली भी शामिल हैं। उन्हें मुंबई में सचिन तेंदुलकर से भी मिलना है। 15 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के साथ ही उनका दौरा खत्म होगा।

मेसी और खेल प्रेमियों से सीएम ममता ने मांगी माफी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह खुद भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए स्टेडियम जा रही थीं। वहां हजारों की संख्या में खेल प्रेमी और फुटबॉल स्टार लियोनल मेसी के फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ी की एक झलक पाने के लिए जुटे हुए थे। ममता बनर्जी ने इस पूरे घटनाक्रम के लिए लियोनल मेसी और सभी खेल प्रेमियों से माफी मांगी। सीएम ममता बनर्जी ने अपने पोस्ट में आगे कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे सभी प्रशंसकों की भावनाएं आहत हुई हैं।

जांच समिति बनाने का किया ऐलान

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच समिति गठित करने का एलान किया है। सीएम बनर्जी ने बताया कि इस समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस अशिम कुमार रे करेंगे। समिति में राज्य के मुख्य सचिव और गृह व पहाड़ी मामलों के अतिरिक्त मुख्य सचिव भी सदस्य होंगे। गौरतलब है कि यह समिति पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच करेगी, जिम्मेदारी तय करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए सुझाव देगी।

भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार ने टीएमसी को ठहराया जिम्मेदार

वहीं दूसरी ओर सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुए हंगामे को लेकर भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला है। सुकांत मजूमदार ने कहा कि लियोनल मेसी जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देश के कई हिस्सों में गए, लेकिन कहीं भी ऐसी घटना नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में जो कुछ हुआ, वह टीएमसी के कुशासन का नतीजा है। उन्होंने दावा किया कि पूरे कार्यक्रम को टीएमसी ने अपने कब्जे में ले लिया था और इसमें टीएमसी के मंत्री सुजीत बोस और अरूप बिस्वास समेत कई नेता शामिल थे।

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी बने यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली,13 दिसम्बर 2025। केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष होंगे। उन्होंने शनिवार को पार्टी कार्यालय पहुंचकर अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। उनके खिलाफ किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया,जिससे उनका निर्विरोध चुना जाना तय हो गया। औपचारिक घोषणा रविवार को की जाएगी। नामांकन से पहले पंकज चौधरी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भाजपा सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को पार्टी कार्यालय बुलाया गया है। शनिवार को दोपहर करीब एक बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पार्टी दफ्तर पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं ने प्रभु राम और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सहित कई नेताओं ने पंकज चौधरी के प्रस्तावक के रूप में नामांकन किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शाम तक नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों की औपचारिक घोषणा रविवार को केंद्रीय चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल करेंगे। पंकज चौधरी कुर्मी समाज से भाजपा के चौथे प्रदेश अध्यक्ष होंगे। इससे पहले विनय कटियार, स्वतंत्र देव सिंह और ओम प्रकाश सिंह इस जिम्मेदारी को संभाल चुके हैं। पंकज चौधरी के प्रस्तावकों में विभिन्न सामाजिक वर्गों के नेता शामिल रहे। प्रस्तावकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक,स्मृति ईरानी, स्वतंत्र देव सिंह,सूर्य प्रताप शाही,एके शर्मा, दारा सिंह चौहान,कमलेश पासवान और असीम अरुण के नाम शामिल थे।

पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश के महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद हैं और वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके खिलाफ किसी भी नामांकन के न आने से रविवार, 14 दिसंबर को लखनऊ में उनके नाम की औपचारिक घोषणा तय मानी जा रही थी।

बारामती कोर्ट से अजित पवार को बड़ी राहत, 2014 लोकसभा चुनाव मामले में जारी प्रक्रिया रद्द

बारामती,13 दिसम्बर 2025। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़े एक मामले में बड़ी कानूनी राहत मिली है। बारामती की अतिरिक्त सत्र अदालत ने उनके खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जारी 'इश्यू ऑफ प्रोसेस' के आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि मजिस्ट्रेट का आदेश कानून की कसौटी पर खरा नहीं उतरता और उसमें न्यायिक विवेक का स्पष्ट अभाव है। यह मामला 16 अप्रैल 2014 को बारामती में आयोजित एक चुनावी सभा से जुड़ा है। इस संबंध में सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और उस समय आम आदमी पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार रहे सुरेश खोपड़े ने शिकायत दर्ज कराई थी। खोपड़े का आरोप था कि सभा के दौरान अजित पवार ने कथित तौर पर कहा था कि यदि मतदाताओं ने एनसीपी नेता सुप्रिया सुले के पक्ष में वोट नहीं दिया तो कुछ गांवों की जलापूर्ति बंद कर दी जाएगी। सत्र अदालत में अजित पवार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत पाटिल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मजिस्ट्रेट ने बिना ठोस कारण और बिना प्रथम दृष्टया अपराध की पुष्टि किए प्रक्रिया जारी कर दी, जो कानून के विरुद्ध है। अदालत को यह भी बताया गया कि धारा 202 के तहत कराई गई जांच में कोई नया या निर्णायक साक्ष्य सामने नहीं आया था। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल आरोपों के आधार पर प्रक्रिया जारी करना उचित नहीं है।

शशि थरूर जहां से सांसद..वहां एनडीए निकाय चुनाव जीता

तिरुवनंतपुरम के 101 वार्डों में से 50 पर जीत, 45 साल से लेफ्ट का कब्जा था

तिरुवनंतपुरम,13 दिसम्बर 2025। केरल के निकाय चुनाव में एनडीए को बड़ी कामयाबी मिली है। गठबंधन ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों में से 50 वार्डों पर जीत दर्ज की है। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का कब्जा है। एलडीएफ 29 और कांग्रेस गठबंधन को 19 वार्डों में विजय मिली है। 2020 में तिरुवनंतपुरम के स्थानीय निकाय चुनावों में एलडीएफ ने 52 वार्ड जीते थे। भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए को 33 वार्ड मिले थे और यूडीएफ ने 10 वार्डों में जीत हासिल की थी।

तिरुवनंतपुरम कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ माना जाता है। केरल के 1,199 स्थानीय निकायों के लिए सुबह 8 बजे से मतगणना जारी है। यहां दो फेज 9 और 11 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। इनमें 6 कॉर्पोरेशन, 86 नगर पालिकाएं, 14 डिस्ट्रिक्ट काउंसिल, 152 ब्लॉक पंचायत और 941 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। चुने गए पंचायत सदस्यों और नगर पालिका पार्षदों, कॉर्पोरेशन पार्षदों का शपथ ग्रहण 21 दिसंबर को होगा। सांसद शशि थरूर ने लिखा कि जनता के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। चाहे वह कुल मिलाकर यूडीएफ के लिए हो या उनके निर्वाचन क्षेत्र में बीजेपी के लिए।

पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार जताया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'तिरुवनंतपुरम नगर निगम में शानदार जीत पर मेहनती भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक धन्यवाद। आज का दिन केरल में कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों के कार्य और संघर्षों को याद करने का है, जिन्होंने जमीनी स्तर पर काम किया। हमारे कार्यकर्ता ही हमारी ताकत हैं और हमें उन पर गर्व है।'

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा-

'यह केरल लोकल बॉडी चुनावों के इतिहास में यूडीएफ और कांग्रेस को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। यह हमारे लिए एक बड़ी जीत है। निश्चित रूप से हम अगले विधानसभा चुनाव जीतने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मैं तिरुवनंतपुरम के किसी भी व्यक्ति (कांग्रेस सांसद शशि थरूर) पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता क्योंकि हम वैसे भी सफलताओं और असफलताओं दोनों की समीक्षा करेंगे।'

भाजपा उम्मीदवार आर. श्रीलेखा ने कहा-

जब से मेरी उम्मीदवारी की घोषणा हुई है, एलडीएफ और कांग्रेस ने उम्मीद से ज्यादा मेरी आलोचना की है। मुझे खुशी है कि मेरे वार्ड के लोगों ने उन सभी बातों को नजरअंदाज किया और मेरा साथ दिया।

जेपी नड्डा ने एक्स पर लिखा-

'लोकल बॉडी चुनावों में बीजेपी और एनडीए के साथ खड़े रहने के लिए केरल के लोगों का दिल से धन्यवाद। यह नतीजा हमारी बढ़ती जमीनी मौजूदगी को दिखाता है। पूरे राज्य में शासन में बदलाव की मजबूत इच्छा का संकेत देता है।'

नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा-

'केरल के लोगों का मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने बीजेपी और एनडीए उम्मीदवारों पर भरोसा जताया और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन्स में पार्टी के शानदार प्रदर्शन से एक नया अध्याय शुरू किया। इस दिल को छू लेने वाली जीत पर हमारे मेहनती कार्यकर्ताओं और बीजेपी की केरल लीडरशिप को हार्दिक बधाई।'

गुजरात के कच्छ में फिर आया भूकंप,इतनी मापी गई तीव्रता

अहमदाबाद,13 दिसम्बर 2025। गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई। इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 मापी गई। यह झटका दोपहर 2:47 बजे आया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस भूकंप में किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। गांधीनगर स्थित ISR ने बताया कि भूकंप का केंद्र कच्छ जिले के गढ़शिशा क्षेत्र से लगभग 13 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व में स्थित था। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और फिलहाल किसी तरह की आपात स्थिति नहीं है। गौरतलब है कि चालू महीने में कच्छ जिले में 3 से अधिक तीव्रता वाले भूकंप का यह पांचवां मामला है। इससे पहले शुक्रवार को 3.3 तीव्रता और बुधवार को 3.7 तीव्रता के भूकंप दर्ज किए गए थे। लगातार आ रहे हल्के झटकों के कारण स्थानीय लोग सतर्कता बरत रहे हैं। कच्छ जिला भूकंप के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र में आता है। यहां समय-समय पर कम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। वर्ष 2001 में इसी क्षेत्र में आए विनाशकारी भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी, जिसमें 13 हजार से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

ज्ञान,प्रशिक्षण और अनुसंधान लोकतांत्रिक खुशहाली के तीन स्तंभ हैं : नितिन गडकरी

नई दिल्ली,13 दिसम्बर 2025। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर में कहा कि ज्ञान, प्रशिक्षण और अनुसंधान एक खुशहाल लोकतंत्र के तीन स्तंभ हैं। पॉलिटिकल साइंस के स्टूडेंट्स कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री स्टडीज़ बोर्ड के ज़रिए ट्रेनिंग के लिए आते हैं। इन स्टूडेंट्स को कानून बनाने की प्रक्रिया और पार्लियामेंट्री प्रोसीजर की पढ़ाई करने का मौका मिलता है। ऐसी ट्रेनिंग और ज्ञान से ही लोकतंत्र खुशहाल होता है। केंद्रीय मंत्री गडकरी आज नागपुर में वी.एस. पेज पार्लियामेंट्री ट्रेनिंग सेंटर द्वारा लेजिस्लेटिव काउंसिल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में लेजिस्लेटिव काउंसिल द्वारा पास किए गए ज़रूरी बिल, प्रस्ताव और पॉलिसी पर पब्लिश की गई रेफरेंस रिच बुक सीरीज़ का दूसरा वॉल्यूम आज लेजिस्लेटिव काउंसिल हॉल में केंद्रीय मंत्री गडकरी के हाथों जारी किया गया। गडकरी ने कहा, मैं खुशकिस्मत हूं कि कार्यक्रम के मौके पर उस हॉल में वापस आया जहां मैंने 18 साल तक पढ़ाकर अनुभव हासिल किया और देश की सेवा करने का मौका मिला। इससे इस हॉल की यादें ताजा हो गईं। इसी हॉल ने मुझे राज्य के विकास के लिए दूसरे व्यक्ति से जो मैं चाहता था, उसे चर्चा के जरिए निकलवाने का हुनर दिया। लेजिस्लेटिव काउंसिल हॉल में कानून बनाने पर चर्चा के जरिए असरदार कानून बनाए गए हैं। भले ही इस हॉल में राज्य के अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा करते समय नियमों को लेकर लड़ाई होती थी, लेकिन निजी रिश्तों में कभी कड़वाहट नहीं आई, यही हमारी लोकतंत्र की समृद्ध परंपरा है। लोकतंत्र में संविधान ने अधिकार और कर्तव्य तय किए हैं। इससे विकास के लिए समान मौके मिले हैं। लेजिस्लेचर ने डेमोक्रेसी की बेहतरीन परंपराओं का पालन किया है। इन किताबों के जरिए हॉल में मौजूद विचारों का खजाना नई पीढ़ी के सामने पेश किया जाएगा।

इंडिगो ने लगातार दूसरे दिन 2,000 से ज्यादा उड़ानें संचालित कीं...

नई दिल्ली,13 दिसम्बर 2025। ऑपरेशन संकट से जूझ रही देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन 2 हजार से ज्यादा उड़ानों का संचालन किया। एयरलाइन ने पिछले पांच दिनों से लगातार ऑपरेशनल सामान्यीकरण और स्थिरता दिखाते हुए यह जानकारी दी है। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि संशोधित शेड्यूल के अनुसार 2,050 से अधिक उड़ानें संचालित करने के लिए तैयार है, जिसे सरकारी निर्देश के अनुसार कम किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि हमारे सभी 138 ऑपरेशनल डेस्टिनेशन जुड़े हुए हैं और हमारा ऑन-टाइम परफॉर्मेंस इंडिगो मानकों के अनुसार लगातार सामान्य रहा है। पिछले हफ्ते एयरलाइन की कई ऑपरेशनल दिक्कतों के कारण जिनमें फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों में नए संशोधन शामिल हैं, जिसके चलते हजारों उड़ानें रद्द होने के बाद अब सरकारी हस्तक्षेप के कारण बजट एयरलाइन इंडिगो का परिचालन धीरे-धीरे सामान्य हो गया है।

जंग भाषणों से नहीं एक्शन से जीती जाती है,पाकिस्तान हमेशा जीत के झूठे दावे करता रहा है : अनिल चौहान

हैदराबाद,13 दिसम्बर 2025। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि युद्ध केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य और उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई से जीते जाते हैं। सीडीएस तेलंगाना के डुंडीगल स्थित एयर फोर्स अकादमी में ऑटम टर्म दिसंबर 2025 की कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा...खाली शब्दों और प्रतीकात्मक दावों से ताकत साबित नहीं होती। अनुशासन, ठोस योजना और निर्णायक अमल ही किसी देश की असली सैन्य क्षमता दिखाते हैं। उन्होंने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर तंज कसते हुए कहा कि हाल के समय में वहां झूठे जीत के दावे और सोशल मीडिया प्रचार देखने को मिले, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और रही है। नए अधिकारी ऐसे समय सेवा में आ रहे हैं, जब ऑपरेशन 'सिंदूर' जारी है। मौजूदा सुरक्षा माहौल में हर समय सतर्कता,फुर्ती और तैयार रहना जरूरी है।

पाटिल का लातूर में राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन,दिग्गज नेताओं ने दी अंतिम विदाई

लातूर,13 दिसम्बर 2025। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल का शनिवार को महाराष्ट्र के लातूर जिले में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम दर्शन और संस्कार में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, कर्नाटक सरकार के मंत्री ईश्वर खंड्रे सहित कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य लोग शामिल हुए। लिंगायत समुदाय के प्रमुख सदस्य रहे शिवराज पाटिल को लातूर से करीब छह किलोमीटर दूर वरवंती गांव में उनके खेत में परंपरागत लिंगायत रीति-रिवाज के अनुसार समाधि दी गई। उन्हें ध्यान मुद्रा में बैठी अवस्था में दफनाया गया। इस परंपरा के अनुसार माना जाता है कि आत्मा सीधे शिव में विलीन हो जाती है।

केंद्र ने हजारों करोड़ दिए,विकास धरातल पर नजर नहीं आता : नड्डा

शिमला,13 दिसम्बर 2025। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को शिमला में उनके सम्मान में आयोजित अभिनंदन रैली में हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल को हजारों करोड़ रुपये की सहायता दी। लेकिन राज्य में विकास धरातल पर नजर नहीं आ रहा। नड्डा ने कांग्रेस सरकार को नाकाम, झूठी और व्यवस्था को पटरी से उतारने वाली सरकार करार दिया। जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से सवाल किया कि केंद्र सरकार ने राज्य को किस बात की कमी छोड़ी है। उन्होंने कहा कि आपदा राहत के लिए 3,789 करोड़ रुपये, स्मार्ट सिटी के लिए 1000 करोड़ से अधिक, एम्स बिलासपुर, मेडिकल कॉलेज, बल्क ड्रग पार्क, फोरलेन परियोजनाएं और बद्दी को फार्मा हब बनाने जैसी कई योजनाओं के लिए केंद्र ने भरपूर मदद दी। इसके अलावा 2000 करोड़ से अधिक की विशेष सहायता और 1442 करोड़ रुपये का जायका फंड भी दिया गया। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार कई योजनाओं में केवल आधी राशि ही खर्च कर पाई। उन्होंने कहा कि जो सरकार धन का सही उपयोग नहीं कर सकती, उसे सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। नड्डा ने कहा कि हिमाचल में बार-बार ट्रेजरी बंद हो रही है, सरकार एडहॉक व्यवस्था पर चल रही है और मुख्यमंत्री व मंत्रियों के बीच तालमेल की कमी साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार केंद्र के पास एक भी ठोस परियोजना लेकर नहीं गई। जेपी नड्डा ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिमाचल के विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने जनता को आगाह किया था कि कांग्रेस को सत्ता में लाने का मतलब विकास को रोकना है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ही हिमाचल को आगे बढ़ा सकती है, जबकि कांग्रेस की राजनीति केवल सत्ता सुख तक सीमित है। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार भविष्य की सोच नहीं रखती और न ही विकास के लिए गंभीर है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर भाजपा के कार्यालय केवल इमारतें नहीं बल्कि विचार और सेवा के केंद्र बनाए जा रहे हैं।

संपादकीय

द्विपक्षीय रिश्तों लेकर प्रतिबद्ध भारत-यूएस

ट्रेड डील का क्या होगा?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर चल रही वार्ता के बीच पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बातचीत द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने का संकेत है...

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर चल रही वार्ता के बीच पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप में बातचीत होना एक अच्छा संकेत है। यह दिखाता है कि दोनों देश द्विपक्षीय रिश्तों को लेकर प्रतिबद्ध हैं और इसमें जो बाधा आई है, उसे जल्द से जल्द हटाकर आगे बढ़ना चाहते हैं। ट्रेड डील को लेकर दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर कई दौर की वार्ता हो चुकी है। इसी हफ्ते व्यापार,निवेश और रक्षा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मार्च में बातचीत शुरू होने से लेकर अभी तक, रिश्तों में उतार-चढ़ाव के कई दौर आए हैं। इसी दौरान अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोप दिया। अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका होने के बावजूद इस पर तल्खी दिखाने के बजाय भारत ने दृढ़ता और संयम का परिचय दिया।

रूसी तेल खरीद पर रोक और दूसरी अमेरिकी मांगों के जवाब में भारत का रुख यही रहा है कि उसका फैसला अपने लोगों के हितों की रक्षा करने वाला होगा। और अब तो अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर भी मान चुके हैं कि भारत ने अब तक का सबसे अच्छा प्रस्ताव दिया है। हालांकि इसके बावजूद अभी तक ट्रंप प्रशासन की तरफ से टैरिफ में छूट देने या डील फाइनल करने के संबंध में कोई संकेत नहीं मिले हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना कि अगर अमेरिका प्रस्ताव से संतुष्ट है,तो साइन कर दे-दरअसल अमेरिकी रुख की इसी अनिश्चितता को दर्शाता है। यह अनिश्चितता कई अन्य स्तरों पर भी प्रकट हो रही है। मसलन-एक तरफ द्विपक्षीय बातचीत में सहयोग बढ़ाने की बात हो रही थी, तो दूसरी तरफ ट्रंप भारतीय चावल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे थे। भारत और अमेरिका के बीच बातचीत में हालिया प्रगति के दौरान की एक बड़ी घटना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन का भारत दौरा है। इस यात्रा की टाइमिंग ने सबका ध्यान खींचा। नई दिल्ली ने इससे यह संदेश तो पश्चिम तक पहुंचा ही दिया कि उसके लिए राष्ट्रीय हित सबसे पहले है और यह भी कि अपनी स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति पर कोई समझौता उसे मंजूर नहीं।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 14 दिसम्बर पर विशेष

जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन किया जाता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट,पंखे,हीटर,कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई. एस. आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें,पंखे,कूलर,ए.सी.,हीटर,गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव,सिरदर्द, रक्तचाप,थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं,साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है,जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

शांति घोष और सुनीति चौधरी:क्रांति की प्रेरक एवं निर्भय मशाल

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

वह 14 दिसम्बर, 1931 की एक सामान्य सुबह थी। प्रकृति ने शीत ऋतु की चादर ओढ़ रखी थी। मार्ग किनारे लगे पेड़ मानो वृक्षासन की मुद्रा में मौन साधे साधनारत थे। सड़कों पर बिछी काली डामर पर पड़ी ओस में साईकिल और मोटर गाडियां अपने पगचिह्न अंकित करते जा रहे थे। सूरज भी रजाई से निकल नीले गगन में चहलकदमी करने लगा था। क्रांति के उद्घोष वंदेमातरम् की जन्मभूमि बंगाल के एक जिला मुख्यालय कोमिला (अब बांग्लादेश में है) ने ठंडी रात की गहरी नींद से जाग चूल्हे पर अभी चाय की केतली रख नाश्ता बनाना शुरू ही किया था। रसोईघरों से मसालों की ताजी खुशबू झरोखों से निकल माहौल में बिखर रही थी। स्कूल जाने वाले बच्चों का कलरव घरों की खिड़कियों से छनकर वातावरण में नाच रहा था। दुकानों में रोजमर्रा का सामान करीने से सहेजा जाने लगा था। सड़कों से गुजरते इक्का-तांगों की टक-टक और घोड़ों की हिनहिनाहट की संगति से उपजी मधुर ध्वनि परिवेश में संगीत घोल रही थी। किंतु ठंड से जकड़े शहर के हृदय में जिला मजिस्ट्रेट चार्ल्स जेफ्री बॉकलैंड स्टीवंस का भारतीय क्रांतिकारियों एवं जनता के विरुद्ध किए जा रहे अमानवीय एवं दमनात्मक व्यवहार के विरुद्ध आक्रोश के अंगारे दहक रहे थे। स्टीवंस को उसका क्रूरता का फल चखाने के लिए क्रांतिकारी दल योजना बना रहे थे। उस ठंडी सुबह में क्रांति की अग्नि की लपटों से स्वयं को बचाए स्टीवंस अपने दफ्तर और अदालत न जाकर दो स्तरीय सुरक्षा घेरे में अपने बंगले से ही सभी व्यवस्थाओं का संचालन कर रहा था। तभी बंगले के फाटक पर एक घोड़ागाड़ी रुकी और 14-15 वर्ष की दो बालिकाएं उतर बंगले की ओर बढ़ीं।

ठहरो,वहीं रुक जाओ,पहरेदार संतरी जोर से चिल्लाया। लड़कियां ठिठक गईं। संतरी निकट आ गया था। लड़कियों ने बताया कि उनको अपने स्कूल द्वारा आयोजित तैराकी प्रतियोगिता के सम्बन्ध में अनुमति एवं सहयोग हेतु मजिस्ट्रेट साहब से मिलना है और एक कागज में अपने छद्म नाम लिखकर संतरी के हाथ पर रख दिया। संतरी ने बालिकाओं को वहीं गेट पर रोक,नाम की पर्ची आगे बढ़ा दी और उनके बस्तों की सघन तलाशी लेने लगा,पर कुछ न मिला। थोड़ी देर में अंदर

से मिलने हेतु बुलावा आ गया। दोनों किशोरियों को एक सिपाही साथ लेकर मजिस्ट्रेट के कमरे के द्वार तक छोड़ आया। लड़कियों ने कमरे में प्रवेश कर उचित अभिवादन कर परिचय दिया,मैं शांति घोष, फैजन्नुसा गर्ल्स हाईस्कूल की कक्षा 8वीं की छात्रा और विद्यालय के छात्रा संघ की संस्थापक सचिव हूं। और यह है मेरी सहयोगी सुनीति चौधरी। स्टीवंस बालिकाओं की प्रखरता, निडरता और बातचीत के सलीके से प्रभावित हो कुर्सी पर बैठने का संकेत कर मिलने का उद्देश्य पूछा। शांति घोष ने कहा कि विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती कल्याण देवी के निर्देशन में छात्रा संघ द्वारा एक तैराकी प्रतियोगिता आयोजित की गई है। प्रतियोगिता आयोजन हेतु अनुमति और सफलता हेतु आपका सहयोग चाहिए। तब तक सुनीति चौधरी ने मेज पर स्टीवंस के सम्मुख प्रार्थना पत्र रख दिया। उसने प्रार्थना पत्र उठाकर पढ़ा और बोला, अच्छा आयोजन है,अनुमति मिल जाएगी। पर यह प्रार्थना पत्र अपूर्ण है, इसमें प्रधानाध्यापिका का हस्ताक्षर और मुहर नहीं है। यह पूरा कराकर लाओ। तब सुनीति चौधरी ने अनुरोध किया कि यह टिप्पणी अंकित कर दें, तो हमें आसानी होगी। स्टीवंस ने प्रार्थना पत्र पर टीप निर्देश लिखने हेतु पेन निकाल ज्यों ही सिर झुकाया,दोनों बालिकाओं ने स्वचालित पिस्तौलों से उसके सीने पर फायर झोंक दिया। स्टीवंस जल्दी से उठा, लड़खड़ाता अंदर कमरे की ओर भागा। किंतु कमरे के पहले देहरी पर ही औंधे मुंह गिर गया। उसके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। इसी बीच गोलियों की आवाज सुनकर अर्दली और अन्य सिपाही भाग कर अंदर घुसे तथा शांति घोष एवं सुनीति चौधरी को पकड़ लिया। दोनों बालिकाओं के मुखमंडल कार्य की सिद्धि के तेज से दमक रहे थे। गर्व से उठे शीश पर बलिदानी क्रांतिकारी नभ से भाव सुमन बरसा रहे थे। मजिस्ट्रेट स्टीवंस की द्वि-स्तरीय सुरक्षा के बीच दिन दहाड़े दो बालिकाओं द्वारा हत्या किये जाने से अंग्रेजी सत्ता की लंदन तक बड़ी किरकिरी हुई।

शांति घोष और सुनीति चौधरी को 18 जनवरी, 1932 को अदालत में पेश किया गया। उस दिन वे दोनों गर्व से ऐसे चल रही थीं जैसे दो सिंहनी किसी आदमखोर भेड़िए का शिकार कर विजय का उत्सव मना रही हों। अदालत की कार्रवाई तो केवल दिखावा थी। अंग्रेजी सरकार को तो बदला लेना था। किंतु 16 वर्ष से कम उम्र होने के कारण फांसी नहीं दे सकते थे। आखिर 27 जनवरी, 1932 को फैसला कर दोनों को आजीवन कारावास की सजा दे काला पानी भेज दिया गया। जेल जीवन में दोनों के ऊपर बहुत जुल्म एवं अत्याचार किए गए किंतु वे न डरीं, न झुकी बल्कि साहस के साथ मां भारती की अर्चना-आराधना में जुटीं रहीं। आगे महात्मा गांधी और अंग्रेज सरकार के बीच एक समझौते के बाद 1939 में दोनों को रिहा कर दिया गया। जेल से छुटने के बाद शांति घोष ने पुनः पढ़ाई शुरू की, 1942 में विवाह किया और राजनीति में भाग लेकर 1952 से 1967-68 तक पश्चिम बंगाल विधान सभा और परिषद की सदस्य रहीं। वर्ष 1989 में निधन हुआ। सुनीति चौधरी भी सामाजिक जीवन जीते हुए 70 वर्ष की आयु पूर्ण कर 1988 में स्वर्ग सिधार गईं।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास के पृष्ठों पर शांति घोष और सुनीति चौधरी के इस महनीय कार्य को भले ही महत्वपूर्ण जगह न मिली हो, उनके नाम पर संस्थानों का नामकरण न हुआ हो,भले ही उनके योगदान को उपेक्षा की धूल से ढक दिया गया हो, किंतु इससे उनकी भूमिका कमतर नहीं हो जाती। वे दोनों क्रांति का अग्निधर्मी स्वर थीं, प्रेरणा और निर्भयता की मशाल थीं। भारत माता के चरणों में समर्पित ये दोनों पुष्प युगों-युगों तक अपनी सुगंध से स्वतंत्रता का गौरव बोध कराती रहेंगी।

आतंक से मुक्त माओवादियों का गढ़,विकास, शांति और विश्वास की दिख रही रोशनी

आभा मिश्रा

देश अब माओवाद से मुक्त हो रहा है। मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और सुरक्षा बलों की प्रभावकारी कार्रवाइयों की वजह से यह स्थिति बनी है। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व ने देश को माओवादी आतंक से मुकाबले के निर्णायक दौर तक पहुंचाने की दिशा दिखाई है। एक ओर राज्य पुलिस बल के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कदमताल करते हुए माओवादियों के गढ़ में हुंकार भर रहे हैं, माओवादियों को आत्मसमर्पण करने को मजबूर कर रहे हैं तो दूसरी ओर सरकार की योजनाओं का पूरा जोर इन क्षेत्रों के विकास और स्थानीय लोगों के पुनरुत्थान पर केंद्रित है। नतीजन जिस लाल गलियारे में कभी हिंसा और असुरक्षा का साया मंडराता था, वहां आज विकास, शांति और विश्वास की रोशनी दमक रही है।

आंकड़े इसकी गवाही देते हैं कि छत्तीसगढ़ में पिछले 22 महीनों में सुरक्षा बलों ने 487 से अधिक माओवादियों को मार गिराया है, 2240 ने आत्मसमर्पण किया है और 1833 गिरफ्तार किए गए हैं। यह सफलता अपने आप में रिकार्ड है। जिन इलाकों में कभी गोलियों की गूंज सुनाई देती थी, आज वहां स्कूल, से कें, अस्पताल और मोबाइल टावर खे ̀ हैं। हाल में सेंट्रल कमेटी के बे ̀ माओवादी नेताओं-सुधाकर, बसवराजू और हिडमा के मारे जाने से छत्तीसगढ़ और इसकी सीमा से लगे अन्य राज्यों में माओवाद का ढांचा पूरी तरह हिल गया है। बीजापुर का कर्रेगु ा आपरेशन इस बदलाव का प्रतीक बन चुका है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मसमर्पित माओवादियों एवं माओवाद प्रभावित लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए देश की सबसे आकर्षक पुनर्वास नीति लागू की है। पुनर्वास ही नहीं, राज्य सरकार की तरफ से आत्मसमर्पित माओवादियों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की भी इस लक्ष्य को पाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके तहत सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को तीन वर्षों तक 10,000 रुपये मासिक सहायता की व्यवस्था की गई है। शहरी क्षेत्रों में आवासीय प्लाट और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का प्रविधान किया गया है।

सरकार की नीति में यह बड़ा सकारात्मक बदलाव है कि पहले सुरक्षा बलों को मिलने वाला इनाम अब आत्मसमर्पण करने वालों को दिया जा रहा है। और तो और, 80 प्रतिशत से अधिक सदस्यों के सामूहिक आत्मसमर्पण पर दोगुना इनाम घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सरेंडर नीति में बदलाव करते हुए वित्तीय सहायता राशि में वृद्धि की है, जिसके परिणामस्वरूप माओवादियों के आत्मसमर्पण में तेजी आई है।

15,000 प्रधानमंत्री आवास आत्मसमर्पित माओवादियों एवं माओवाद पीड़ित परिवारों के पुनर्वास के लिए निर्माणाधीन हैं। दूरस्थ गांवों में से क, स्वास्थ्य, शिक्षा, मोबाइल कनेक्टिविटी और आधारभूत सेवाएं पहले की अपेक्षा अब तेजी से पहुंच रही हैं। 403 गांवों में 81,090 आधार कार्ड, 49,239 आयुष्मान कार्ड, 5,885 किसान सम्मान निधि, 98,319 परिवारों को मुफ्त राशन मिल रहा है। 21 नई से कें, मोबाइल टावर, उप-स्वास्थ्य केंद्र और उचित मूल्य दुकानों ने जीवन बदल दिया है।प्राकृतिक सुंदरता से सराबोर छत्तीसगढ़ का बस्तर मानो अभिशप्त था, लेकिन आज निवेश का नया गंतव्य बन रहा है। नई औद्योगिक नीति, 2024-30 के तहत स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योग, स्टील, फूड प्रोसेसिंग, कृषि उद्योग, डेरी, पर्यटन और वेलनेस सेक्टर में 967 करो रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए हैं। नगरनार स्टील प्लांट के आसपास 118 एके में नया औद्योगिक क्षेत्र चिह्नित किया गया है। एमएसएमई और सेवा क्षेत्र में 1000 करो रुपये का निजी निवेश, नए उद्योगों से 2100 से अधिक रोजगार के अवसर खुल रहे हैं। जगदलपुर में 350 बिस्तरों वाला मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल और मेडिकल कालेज स्थापित होने जा रहा है। कुल 700 करो रुपये से अधिक के निवेश वाले ये प्रोजेक्ट बस्तर को मेडिकल हब बनाने की दिशा में कदम हैं।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

छोटे निर्यातकों की सुध ले सरकार

ई-कामर्स निर्यात यात्रा डिजिटल निर्भरता की कहानी न बने...

अजय सहाय

भारत आज अपने निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। देश के छह करोड़ से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विश्व के सबसे बड़े कारीगर, शिल्पकार और छोटे उद्यमी समुदाय की आधारशिला हैं। इन छोटे उद्यमियों,हथकरघा बुनकरों और हस्तशिल्प कलाकारों को ई-कामर्स निर्यात के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुंचने का एक नया और प्रभावी मार्ग मिला है। अंतरराष्ट्रीय आनलाइन प्लेटफार्मों ने भारत के छोटे विक्रेताओं को बिना किसी विदेशी कार्यालय के दुनिया के 200 से अधिक देशों में उपभोक्ताओं तक पहुंचने में सक्षम बनाया है। डिजिटल बाजार और भारत की रचनात्मक,किफायती उत्पादन प्रणाली ने वैश्विक व्यापार में छोटे भारतीय विक्रेताओं के लिए अवसरों का विस्तार किया है। पिछले एक दशक में ई-कामर्स आधारित डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर माडल ने भारत के छोटे उत्पादकों को उल्लेखनीय सशक्तीकरण दिया है।

इस माडल में उत्पाद विदेशी ग्राहकों द्वारा आर्डर मिलते ही सीधे भारत से भेजे जाते हैं,जिससे प्रवेश लागत कम होती है और घर-आधारित उद्यमी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार शुरू कर पाते हैं। भारत के हस्तशिल्प,वस्त्र,आभूषण,प्राकृतिक और पारंपरिक उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। यह माडल विशेषकर छोटे उद्यमों के लिए आय और पहचान का स्रोत बना है, भले ही उन्हें कस्टम्स, भुगतान निपटान और कर संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा हो।

अब एक नया परिवर्तन इस पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करने वाला है। बड़े वैश्विक ई-कामर्स भारत से वेयरहाउस आधारित निर्यात माडल की अनुमति चाहते हैं, जिसमें भारतीय विक्रेता माल को मार्केट प्लेस के घरेलू वेयरहाउस में जमा करेंगे

और उसके बाद मार्केट प्लेस स्वयं इन उत्पादों का निर्यात कर उन्हें विदेश में बेचेगा।

उक्त परिवर्तन भारतीय विक्रेताओं की भूमिका को बदल देगा। वे अब निर्यातक नहीं रहेंगे, बल्कि केवल घरेलू आपूर्तिकर्ता बनकर रह जाएंगे। निर्यातक के रूप में मार्केट प्लेस मूल्य निर्धारण, इन्वेंटरी,विदेशी वितरण और फारेक्स प्राप्ति पर पूरा नियंत्रण रखेगा। हालांकि चीन,वियतनाम और मलेशिया सरीखे देशों में यह माडल पहले से अपनाया जा रहा है,लेकिन भारतीय संदर्भ में इनके गहरे और दीर्घकालिक प्रभाव चिंताजनक हैं।

वेयरहाउस माडल से छोटे विक्रेताओं का मूल्य निर्धारण पर नियंत्रण समाप्त हो सकता है,क्योंकि मार्केट प्लेस सभी आपूर्तिकर्ताओं की लागत संरचना जानकर कीमतों पर दबाव डाल सकता है। इससे छोटे विक्रेता प्राइस-टेकर बन जाएंगे और उनके लाभांश में भारी कमी हो सकती है। विदेशी बाजार में मिलने वाला पूरा रिटेल मार्जिन मार्केट प्लेस अपने पास रख सकता है, जबकि भारतीय विक्रेता को केवल थोक दर प्राप्त होगी, जो अंतिम बिक्री मूल्य का एक छोटा हिस्सा होती है।

इस माडल का प्रभाव यह भी है कि भारत के निर्यात मूल्य में वास्तविक कमी आ सकती है। आज जब एक भारतीय विक्रेता सीधे 2,000 रुपये की कालीन विदेश में बेचता है, तो पूरे 2,000 रुपये भारत के फारेक्स में दर्ज होते हैं, परंतु वेयरहाउस माडल में वही कालीन 1,100-1,200 रुपये में मार्केट प्लेस द्वारा खरीदी जाएगी और इसी राशि को भारत के निर्यात मूल्य के रूप में दर्ज किया जाएगा।

बंगाल में चिंतित करने वाला घटनाक्रम

बाबर के नाम से मस्जिद बनाना करोड़ों हिंदुओं-सिखों की भावनाओं को चोट पहुंचाना

अवधेश कुमार

इस तस्वीर की हमने शायद ही कल्पना की हो कि देश में कहीं पर फिर से बाबरी मस्जिद की नींव डाली जाएगी और उसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद जिले में बेलडांगा इलाके में प्रतीकात्मक तौर पर फीता काटकर मस्जिद की नींव रख दी। हुमायूं कबीर पश्चिम मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर से विधायक हैं। वे लंबे समय से सार्वजनिक वक्तव्य दे रहे थे कि छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद के निर्माण की शुरुआत करेंगे। इस कारण बंगाल के अंदर और देश में असहजता का माहौल कायम हो रहा था। अलग-अलग मंचों से इसे रोकने की मांग भी की गई, किंतु मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे रोकने की कोशिश नहीं की। केवल हुमायूं कबीर को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया। इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। कानून-व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्ध कोई भी राज्य सांप्रदायिकता भड़काने और तनाव फैलाने की योजना वाले हुमायूं कबीर जैसे व्यक्ति को गिरफ्तार करता, हिरासत में लेता या कम से कम उसे नजरबंद करता। इसके साथ ऐसे कार्यक्रम पर रोक भी लगाता। मुर्शिदाबाद का दृश्य इसके विपरीत था। ऐसा लग रहा था जैसे पुलिस उस कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए वहां तैनात है। जब पुलिस-प्रशासन को राजनीतिक नेतृत्व से रोकने का कोई आदेश नहीं था तो वह ऐसी ही भूमिका निभाएगा।

किसी को भी कानूनी रूप से वैध जमीन पर मंदिर या मस्जिद बनाने का अधिकार है, लेकिन बाबर के नाम से मस्जिद बनाना करोड़ों हिंदुओं-सिखों की भावनाओं को चोट पहुंचाना और उनके जख्मों को कुरेदना है। यह हर दृष्टि से अस्वीकार्य है। 1529 में बाबर के सेनापति मीर बकी द्वारा अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद निर्माण के विरुद्ध वर्षों का संघर्ष अब सबको पता है। अंततः स्वतंत्रता के बाद आंदोलन और फिर आगे न्यायिक संघर्ष से उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद मंदिर निर्माण किया गया। बावजूद इसके देश का एक वर्ग मानता है कि बाबर के साथ उसका जुड़ाव है, उससे प्रेरणा मिलती है और इसलिए उसके नाम की मस्जिद बनानी है। यह भारत की एकता-अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव की दृष्टि से अशुभ संकेत है।

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जिस बाबर को उसके मूल स्थान के कई इतिहासकार लुटेरा कहते हैं, अनेक भारतीय मुसलमान स्वयं को उससे जोड़ते हैं? हुमायूं कबीर के बाद तहरीक मुस्लिम शब्बन नामक संगठन ने ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल और वेलफेयर इंस्टीट्यूशन बनाने का एलान किया है। पता नहीं आगे कौन कहां बाबर के नाम पर और कुछ निर्माण की घोषणा कर दे। भारत विभाजन के पीछे बंगाल वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप से कट्टरपंथियों के लिए बहुत बड़ी ताकत बना था। 16 अगस्त, 1946 को डायरेक्ट एक्शन डे यहीं हुआ था, जिसमें कई सौ हिंदुओं को मारा गया था, ताकि गैर मुस्लिम डर जाएं और कांग्रेस दबाव में आए एवं ब्रिटिश सरकार के सामने मुसलमानों को अलग देश देने के अलावा चारा न बचे।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या...पति-पत्नी को आजीवन कारावास

अंबिकापुर पॉक्सो स्पेशल कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला...समाज को सख्त संदेश

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा संभाग के बहुचर्चित पॉक्सो प्रकरण क्रमांक 61/2022 में अंबिकापुर स्थित फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो एक्ट) ने नाबालिग से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में पति-पत्नी दोनों को दोषी ठहराते हुए कठोर सजा सुनाई है,यह फैसला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री कमलेश जगदल्ला ने सुनाया।

क्या है पूरा मामला...

अभियोजन के अनुसार 22 मई 2022 को पुलिस को सूचना मिली कि बिलासपुर रोड स्थित लक्ष्मीपुर खेत (गैरेज के पीछे) एक युवती का नग्न शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा किया, जिसमें मृतिका के शरीर पर दुष्कर्म, मारपीट और गला दबाने के स्पष्ट निशान पाए गए, शव की पहचान बाद में 16 वर्ष 9 माह की नाबालिग बालिका के रूप में हुई, जो 15 दिन पहले मजदूरी करने अंबिकापुर आई थी।

जांच में हुआ सनसनीखेज खुलासा

विवेचना में सामने आया कि घटना से एक दिन पहले 21 मई 2022 को नाबालिग मृतिका,अभियुक्त रेशमलाल राठिया उर्फ सोनू और उसकी पत्नी सीमा राठिया के साथ मजदूरी के लिए गई थी,जांच में यह तथ्य प्रमाणित हुआ कि नाबालिग को शराब पिलाई गई,अभियुक्त रेशमलाल ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया,बाद में पति-पत्नी ने मिलकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी,अभियुक्तों के नाम रेशमलाल राठिया उर्फ सोनू (उम्र लगभग 22 वर्ष) सीमा राठिया (उम्र लगभग 20 वर्ष) निवासी ग्राम धौराभाठा, बरपाली,थाना धरमजयगढ़,जिला रायगढ़ (छ.ग.)।

न्यायालय की सख्त टिप्पणी

न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि 16 वर्ष 9 माह की नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या किया जाना अत्यंत जघन्य अपराध है। ऐसे अपराध में किसी भी प्रकार की नरमी समाज में गलत संदेश देगी।

सजा का विवरण

अभियुक्त रेशमलाल राठिया उर्फ सोनू को IPC की धारा 376, 376(क), 302 पॉक्सो एक्ट की धारा 5(ञ-i1), 5(झ) सहपठित धारा 6, आजीवन कठोर कारावास व अर्थदंड, अभियुक्त सीमा राठिया को, IPC की धारा 376/114, 302 पॉक्सो एक्ट की धारा 16 सहपठित धारा 17 आजीवन कठोर कारावास व अर्थदंड (सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी)

सरकारी पक्ष की प्रभावी पैरवी

इस जघन्य अपराध में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्री विद्याभूषण श्रीवास्तव ने सशक्त पैरवी की,जबकि बचाव पक्ष से श्री प्रशांत राय,अधिवक्ता उपस्थित रहे।

समाज के लिए कड़ा संदेश

यह फैसला न केवल पीड़िता को न्याय दिलाने वाला है,बल्कि समाज को यह स्पष्ट संदेश देता है कि नाबालिगों के विरुद्ध यौन अपराध और हत्या जैसे जघन्य कृत्यों पर न्यायालय कोई भी नरमी नहीं बरतेगा।

तातापानी में नशे में धुत युवक का उत्पात,पुलिस ने दी सख्त सजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल तातापानी में 11 दिसंबर को एक नशे में धुत युवक ने भारी हंगामा मचाया, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। युवक,जो खुद को अमित बता रहा था ने राहगीरों पर पत्थर फेंके और उन्हें धमकियां दी। उसकी हरकतों से तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई और स्थानीय लोगों ने उसे काबू करने के लिए उसे पकड़कर रस्सी से बांध दिया और पिटाई की। बताया जा रहा है कि युवक न केवल पत्थर फेंक रहा था, बल्कि गाली-गलौज करते हुए स्थानीय लोगों को देख लेने की धमकी भी दे रहा था। विशेष रूप से, उसने बच्चों को जान से मारने की धमकी दी, जिससे आसपास के लोग भयभीत हो गए। जब यह जानकारी पुलिस को मिली, तो तातापानी चौकी से पेट्रोलिंग टीम मौके पर भेजी गई। युवक की

लगातार उग्रता को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने उसे काबू करने के लिए डंडों का इस्तेमाल किया। वायरल हुए वीडियो में युवक नशे की हालत में गालियां देते हुए और धमकियां देते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में वह अपनी पहचान अमित के तौर पर बताते हुए शांति भंग कर रहा था। स्थानीय लोग बताते हैं कि युवक मंदिर परिसर के आसपास से गुजर रहे लोगों पर पत्थर फेंक रहा था, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था।

ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुए संघर्ष में हुए आहत लोगों का कैंप लगाकर किया गया इलाज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
3 दिसंबर को ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुए संघर्ष में आहत कई ग्रामीणों का ईलाज शनिवार को ग्राम परसोढि कला में संजीवनी अस्पताल अम्बिकापुर के 7 सदस्यीय चिकित्सा दल ने कैम्प लगाकर किया। संघर्ष में आहत 5 ग्रामीणों को फैक्चर की संभावना देखते हुए उन्हें एक्स रे की सलाह देते हुए अस्पताल बुलाया गया है। शुक्रवार को आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने परसोढि कला का दौरा किया था। इस दौरान ग्रामीणों से चर्चा में यह जानकारी मिली थी कि संघर्ष के बाद प्रशासन ने उन्हें पर्याप्त इलाज उपलब्ध

नहीं कराया था। संघर्ष में कुछ ग्रामीणों के सर पर चोट लगी थी, जिन्हें प्राथमिक इलाज के पश्चात अपने हाल पर छोड़ दिया। शेष आहत ग्रामीणों को कोई इलाज मुहैया नहीं कराया गया था। इसपर आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने संजीवनी अस्पताल के संचालक और पूर्व महापौर डॉ अजय तिर्की से मेडिकल सहायता का अनुरोध किया था। डॉ अजय तिर्की ने जानकारी दी कि कुल 43 ग्रामीणों का ईलाज किया गया है।

कुछ में फैक्चर की संभावना देखते हुए उन्हें अस्पताल बुलाया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि जिन ग्रामीणों के सर पर चोट आयी थी उन्हें छोड़ अन्य किसी भी व्यक्ति को प्रारंभिक चिकित्सा उपलब्ध नहीं कराई गई। कई ग्रामीण व्यक्तिगत प्रयास से स्थानीय रूप से इलाज करवा रहे थे। संजीवनी अस्पताल के द्वारा भेजे गए मेडिकल टीम में आपातकालीन चिकित्सक डॉ ऋषभ, डॉ इकबाल, ड्रेसर अनिल कश्यप, नर्स सिस्टर निशा एवं मोनिका एवं अन्य मेडिकल स्टॉफ लक्ष्मी एवं लालजी शामिल थे।

अंबिकापुर में डीजल चोरी की घटना में एक आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
भिलाई से अंबिकापुर आने वाला एक अशोक लीलैंड ट्रक रिंग रोड में खड़ा था,जहां रात करीब 3 बजे कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने ट्रक की डीजल टंकी से डीजल निकालने का प्रयास किया। प्रार्थी अवधेश कुमार सिंह ने मना किया तो आरोपियों ने चाकू और गुप्ती से उन पर हमला कर दिया और डीजल बर्तनों में भरकर ले गए। इसके बाद, प्रार्थी ने 11 नवंबर को थाना कोतवाली अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान हीरालाल लोनी,रोहित लोनी, ध्रुव लोनी और बसंत लोनी के रूप में हुई। पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली कि आरोपी सफेद रंग की गाड़ी में अंबिकापुर से बिलासपुर जा रहे हैं,जिसके बाद पुलिस ने रतनपुर में एक आरोपी रितेश तिवारी को पकड़ लिया। रितेश तिवारी ने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार किया और उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त गाड़ी, 200 लीटर डीजल और पाइप बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ कई अन्य थानों में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी को 13 दिसंबर को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इस मामले में पुलिस टीम की अहम भूमिका रही, जिसमें कोतवाली अंबिकापुर और साइबर सेल की संयुक्त टीम शामिल थी।

सद्गुरू कबीर संत समागम द्वारा निकाली गई शोभायात्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
केडीवी मिशन कबीरपंथी समाज सरगुजा द्वारा शहर के पीजी कॉलेज मैदान में शनिवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें समाज के वंशाचार्य बलौदाबाजार कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा से पंथ उदितमुनि नाम साहब शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8 बजे गुरु महिमा पाठ से किया गया। सुबह 9 बजे महंत राजूदास साहेब द्वारा भजन सत्संग किया गया। वहीं घड़ी चौक के पास से शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान कलश यात्रा भी निकाला गया। लोग सफेद और लाल परिधान में नजर आए। वहीं हाथ में सफेद झंडे लिए लोगों ने शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल पीजी कॉलेज मैदन पहुंची। यहां समाज के वंशाचार्य उदितमुनि नाम साहब ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

प्रेमनगर तहसील में भ्रष्टाचार का खुला खेल...प्रशासन मौन...सिस्टम की चुप्पी पर उठे सवाल...

पटवारी अशोक ठाकुर पर गंभीर आरोप...शिकायतें गायब कराने से लेकर अवैध वसूली तक पूरा तंत्र कटघरे में...

-शमरोज खान-
सूरजपुर, 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
प्रेमनगर तहसील में भ्रष्टाचार का खुल जा सिम-सिम वाला माहौल अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बन गया है जहां पटवारी अशोक ठाकुर पर लग रहे आरोप केवल एक कर्मचारी की करतूत नहीं बल्कि पूरे राजस्व तंत्र की नाकामी का आईना बनकर सामने आ रहे हैं। ग्रामीणों की शिकायतों के ढेर और फाइलों में दबी चीखों के बावजूद प्रशासन की मेहरबानी ऐसी ढाल साबित हो रही है जिसने एक दागी कर्मचारी को अभयदान सा दे दिया है। अंबिकापुर और सूरजपुर के बीच यह मुद्दा केवल भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रहा बल्कि उस चुप्पी और मिलीभगत को उजागर करता है जो कानून पर करेंसी की आवाज को भारी बना देती

है। शिकायतें बार बार दी गईं पावती भी मिली लेकिन जैसे कोई अदृश्य हाथ हर बार इन शिकायतों को रद्दी की टोकरी में फेंक देता हो और ग्रामीण न्याय की उम्मीद में दर दर भटकते रह जाते हों। इसी गहरी सड़ांध में अब हमर उत्थान सेवा समिति कूद पड़ी है और समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश साहू ने आयुक्त सरगुजा को भेजे अपने पत्र में साफ लिखा है कि अब केवल सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कठोर कार्रवाई ही इस मामले की गांठ खोल सकती है। ग्राम सारसताल विंध्याचल और बलदेवनगर के ग्रामीणों ने फरवरी 2024 में जो सामूहिक शिकायत दी थी उसमें साफ लिखा था कि पटवारी हल्का छोड़कर महीनों गायब रहते हैं किसानों को नामांतरण सीमांकन और बंटवारा जैसे कार्यों के लिए बिना वजह दौड़ाया जाता है और जब तक दक्षिणा का ताप न चढ़े तब तक न फाइल चलती है न कलम। इससे भी बड़ा झटका तब लगा जब आरटीआई में एसडीएम रामानुजनगर कार्यालय ने यह कहते हुए जवाब दिया कि उनके पास ऐसी कोई शिकायत आई ही नहीं जबकि दर्जनों हस्ताक्षरों वाला पत्र ग्रामीणों के पास मौजूद है। इसने पूरे खेल को उजागर कर दिया कि शिकायत को किस मेज पर दबा दिया गया और किस फायदे के लिए गायब किया गया यह बताने को कोई भी तैयार नहीं। इससे साफ संदेश जाता है कि तहसील से एसडीएम कार्यालय तक कहीं न कहीं मजबूत गठजोड़ है जो एक भ्रष्ट कर्मचारी को बचाने के लिए सक्रिय है। पिछले महीनों में प्रेमनगर तहसील में लगभग सभी पद बदल दिए गए तहसीलदार बदले एसडीएम बदले बाबू बदले यहां तक कि चपरासी भी बदल दिया गया पर जो नहीं बदला वह था अशोक ठाकुर की कुर्सी से चिपकी पकड़। ग्रामीणों का दबाव बढ़ा तो हल्का जरूर बदला गया लेकिन नई जगह पहुंचते ही वही पुरानी दुकान फिर खुल गई और वसूली का सिलसिला चालू रहा जैसे किसी को कोई डर ही न हो। सवाल लगातार गहरा होता गया कि आखिर एक पटवारी के पीछे कैसी ताकत है जो प्रशासन को भी बेबस बना देती है और कार्रवाई से सब कतराते नजर आते हैं। यह मामला अब दाल में काला नहीं बल्कि पूरी दाल के काले होने जैसा हो गया है जिसे छिपाना संभव नहीं। हमर उत्थान सेवा समिति ने स्पष्ट कहा है कि भ्रष्टाचार के आरोपी पटवारी को तत्काल हटाकर विभागीय जांच शुरू की जाए फरवरी 2024 की गायब की गई सामूहिक शिकायत को मुख्य साक्ष्य माना जाए और उन अधिकारियों की भी जांच हो जिन्होंने शिकायत को महीनों दबा कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि अब भी कार्रवाई नहीं हुई तो यह मानना पड़ेगा कि सिस्टम ने भ्रष्टाचारियों के आगे हथियार डाल दिए हैं और ग्रामीणों का विश्वास टूट जाएगा। समिति ने यह भी दोहराया कि संघर्ष अब रुकेगा नहीं दोषियों पर गाज गिरने तक आवाज और बुलंद होती जाएगी।

जनजाति गौरव समाज छत्तीसगढ़ का प्रांतीय बैठक सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जनजाति गौरव समाज छ.ग.का प्रांतीय बैठक सरगुजा अम्बिकापुर में संरक्षक माननीय श्री प्रेम शंकर सिदार जी के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री एम.डी.ठाकुर के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक के मुख्य अतिथि व प्रांतीय अधिकारीयों के द्वारा दीप प्रज्वलन व भारत माता,जनजाति महापुरुषों के छायाचित्र का पूजन से प्रारंभ हुआ। बैठक संगठन के संरक्षक श्री सिदार ने कार्य की समीक्षा व कार्यकर्ता गत पांच वर्षों की अनुभव प्राप्त कर जनजातियों का देश के लिए बलिदान,क्रांतिकारी प्रेरणा का किरण जनजाति समाज से शंखनाद, तिलका मांझी,टांटेया भील,शंकरशाह,सिद्धू-कान्हू-चांद-भैरव,वीर बुधू भगत का लरका आंदोलन -कोल विद्रोह जैसे घटनाओं का उल्लेख करते हुए जनजाति समाज का आध्यात्मिक विरासत पर विचार साझा किये। आगामी कार्ययोजना में शिक्षा,स्वास्थ्य,स्वालंबन,व्यसनमुक्ति और श्रद्धाजागण के दिशा में कार्य करने के लिए बल दिये प्रदेश अध्यक्ष मान. एम. डी. ठाकुर ने संभाग,जिला और ब्लॉक में एक मजबूत संगठन बनाने का आह्वान करते हुए पुनर्गठन की दृष्टि से संभागीय अध्यक्ष श्री परमेश्वर सिंह, कोषाध्यक्ष-श्री संजय सिंह, सचिव-श्री सहदेव भगत की घोषणा कीद्यप्रदेश महामंत्री मा.रामलखन सिंह पैकरा ने जनजाति गौरव समाज की स्थापना का

उद्देश्य प्रस्तावना व भूमिका रखी। युवा प्रभाग के प्रदेश अध्यक्ष श्री इंदर भगत ने देव दर्शन,वनसंचार की सूचना के साथ बैठक को संबोधित किया। बैठक में कोरिया विभाग के माननीय संघ चालक श्री प्रणव चक्रवर्ती का भी सानिध्य प्राप्त हुआ इस अवसर पर प्रवासी भारतीय (nri) श्री चंद्रकांत पटेल ने बैठक को संबोधित कर जनजाति गौरव समाज को 2,51000/-(दो लाख एक्यावन हजार रुपए) का सहयोग राशि प्रदान किया। संभागीय अध्यक्ष जी ने जिला, ब्लाक में संगठन को मजबूत करने के लिए तिथि निर्धारण अन्न/धन संग्रह व कार्यशाला की भी तिथि तय किया है द्य सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए बैठक का समापन किये बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री बंसीधर उरांव,संभागीय उपाध्यक्ष उमाशंकर भगत, तेजबल नाग,श्री शिवनारायण सिंह जिलाध्यक्ष श्री बिहारी उरांव,श्री रघुवीर भगत श्री दिनेश सिंह,श्री संतोष सिंह, श्री रामप्रताप मरावी,श्री उपेंद्र उरकेरा, रामलखन सिंह,श्री संत सिंह,श्री रज्जू राम, श्री अंकित तिर्की,महिला प्रभाग के जिलाध्यक्ष श्रीमती शशिकला भगत,जयंती भगत,पुष्पा सिंहजी,रेणुका सिंह,अमवती नेताम,धरम सिंह,बुधना राम,सहित संभाग, जिला, ब्लॉक के पदाधिकारी कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

नए कानूनों की प्रदर्शनी में लाइवलीहुड कॉलेज के छात्रों को मिली महत्वपूर्ण जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के निर्देश पर स्थानीय कला केन्द्र मैदान में नए कानूनों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आज लाइवलीहुड कॉलेज के प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं को प्रदर्शनी का अवलोकन करने का अवसर मिला। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने छात्रों को नए कानूनों और साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तार से जानकारी दी, साथ ही उन्हें बेहतर कैरियर निर्माण के लिए प्रेरित किया। नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान के संयोजक मंगल पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में नए कानूनों के प्रति जागरूकता को नैतिक दायित्व बताया। इस दौरान कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी मनोज भारती, अमृता जायसवाल, हिना खान, और अन्य ग्रामीणजन भी उपस्थित थे। उप निरीक्षक अभय तिवारी,प्रधान आरक्षक दलबीर सिंह,महिला आरक्षक ममता और अन्य कर्मचारियों का कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय योगदान रहा।

CMYK

मनेन्द्रगढ़ की फाइलें अब भी खुली हैं...और कुर्सी सीधे रायपुर क्राइम ब्रांच तक पहुंचा दी गई!

उपनिरीक्षक से निरीक्षक तक का सफर...क्या 'सेटिंग' ही रही सबसे बड़ी उपलब्धि?

- बीजापुर से वापसी और रायपुर क्राइम ब्रांच की जिम्मेदारी पर सवाल जस के तस...
- तीन साल...एक थाना...कई विवाद,फिर भी सबसे संवेदनशील जांच इकाई की जिम्मेदारी
- फाइलें बोलती रहीं...सिस्टम बढ़ाता रहा पद...मनेन्द्रगढ़ से क्राइम ब्रांच तक कैसे?
- सवालों के बीच पोस्टिंग की सीढ़ीः मनेन्द्रगढ़ में विवाद,रायपुर में कमान!
- रिकॉर्ड में विवाद,हकीकत में प्रमोशन...क्राइम ब्रांच तक का रहस्यमय सफर
- जब फाइलें बंद नहीं हुईं...तो जिम्मेदारी कैसे खुल गई?

-न्यूज डेस्क-

एमसीबी/रायपुर,13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस विभाग में पदोन्नति को आमतौर पर ईमानदारी, कार्यकुशलता और अपराध नियंत्रण से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन जब किसी अधिकारी का नाम पद से ज़्यादा विवादों,आरोपों और 'सेटिंग' संस्कृति से जुड़ा हो, तो उसकी नई जिम्मेदारी अपने आप सवालों के घेरे में आ जाती है,ऐसा ही एक नाम इन दिनों फिर से सुर्खियों में है सचिन सिंह,उपनिरीक्षक से निरीक्षक बने सचिन सिंह को बीजापुर भेजा गया था, लेकिन हैरानी की बात यह है कि वे वहां लंबे समय तक टिक नहीं पाए और तेज़ी से वापसी कर अब रायपुर क्राइम ब्रांच की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं, सवाल यह नहीं है कि उन्हें जिम्मेदारी मिली,सवाल यह है कि क्या वे इसके योग्य माने जा सकते हैं?

मनेन्द्रगढ़ थानाः जहां तीन साल में बना 'सेटिंग सिंह' का नाम

एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़ थाना यही वह जगह है जहां सचिन सिंह ने बतौर प्रभारी लगातार तीन साल पूरे किए, तीन साल किसी एक थाने में प्रभारी रहना अपने आप में एक रिकॉर्ड है,लेकिन यह रिकॉर्ड कानूनी कार्यप्रणाली या अपराध नियंत्रण के लिए नहीं, बल्कि अवैध कारोबार को संरक्षण,अपराधियों पर मेहरबानी, कथित अवैध वसूली और 'सेटिंग सिस्टम' नियमों से ज़्यादा'सहमति-प्रबंधन' पर चलने वाली थाना संस्कृति के लिए जाना गया,यही कारण है कि मनेन्द्रगढ़ में उनका नाम 'सचिन सिंह' से ज़्यादा 'सेटिंग सिंह' के रूप में चर्चित हुआ।

आरोप,खबरें और जनता की प्रतिक्रिया,सब कुछ दर्ज है...यह कोई एक-दो आरोपों की बात नहीं है...

मनेन्द्रगढ़ थाना काल में,कई बार उनके विरुद्ध खबरें प्रकाशित हुईं,स्थानीय लोगों में असंतोष खुलकर सामने आया, उनके स्थानांतरण पर आम जनता ने राहत की सांस ली यह भी उल्लेखनीय है कि यह हम नहीं कह रहे थाना क्षेत्र के लोग आज भी उनकी कार्यशैली को याद करते हैं।

क्राइम ब्रांच और 'सेटिंग गॉडल' क्या यह खतरनाक मेल नहीं?

क्राइम ब्रांच वह इकाई है जहां अपराध की जड़ तक पहुंचना होता है,सत्ता,पैसा और दबाव से ऊपर उठकर काम करना होता है,ईमानदारी और निष्पक्षता ही सबसे बड़ा हथियार होती है,लेकिन यदि किसी अधिकारी की पहचान ही'सेटिंग' और समझौते से बनी हो,तो यह आशंका स्वाभाविक है कि क्या वही पुरानी कार्यशैली अब राजधानी में दोहराई जाएगी?

सबसे बड़ा सवालः संरक्षण किसका?

यह सवाल अब सिर्फ सचिन सिंह पर नहीं,बल्कि उन्हें बार-बार बचाने और आगे बढ़ाने वाले संरक्षण तंत्र पर भी है,कौन है जो हर विवाद के बाद भी उन्हें सुरक्षित निकाल लेता है? क्या पुलिस विभाग में काम से ज़्यादा कनेक्शन अहम हो गया है? क्या यही वजह है कि ईमानदार अधिकारी हाशिए पर और विवादित चेहरे जिम्मेदार पदों पर हैं?

आज की पोस्टिंग...कल के सवाल

इन चारों खबरों का कॉमन थ्रेड स्पष्ट है बार-बार विवाद,कार्यप्रणाली पर संदेह,संरक्षण और 'सेटिंग' की चर्चाएं और अंततः जिम्मेदार पदों तक पहुंच आज जब वही अधिकारी रायपुर क्राइम ब्रांच जैसी संवेदनशील इकाई में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं,तो यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या विभाग ने अपने ही रिकॉर्ड को नजरअंदाज किया है? या फिर यह साबित करता है कि रिकॉर्ड से ज़्यादा रिलेशन मायने रखते हैं?

सबसे बड़ा सवाल-क्या ये सब अलग-अलग घटनाएं हैं?

फिर एक ही सिस्टम का अलग-अलग चेहरा?और जब यही रिकॉर्ड रखने वाला अधिकारी आज क्राइम ब्रांच में है,तो सवाल अब केवल बीते कल का नहीं आज और आने वाले कल की सुरक्षा का है।

बीजापुर पोस्टिंग और रहस्यमय वापसी

साल 2023 में सचिन सिंह को बीजापुर भेजा गया,जिसे कई लोग'लाइन पर लाने' की कार्रवाई मान रहे थे,लेकिन हैरानी की बात यह रही कि वे बीजापुर में टिक नहीं पाए,कथित 'सेटिंग' के सहारे वापसी हुई,और अब सीधे रायपुर जैसे संवेदनशील स्थान पर क्राइम ब्रांच की जिम्मेदारी यह क्रम अपने आप में कई सवाल खड़े करता है।

रिकॉर्ड में दर्ज सवाल....सचिन सिंह की कार्यप्रणाली पर पहले ही उठ चुके थे गंभीर संदेह

पहलाः तीन सितारे लगते ही थाना प्रभारी अवैध कारोबारियों पर मेहरबानी?- 05 जनवरी 2023 की प्रकाशित खबर में सवाल उठाया गया कि निरीक्षक पदोन्नति के तुरंत बाद महेंद्रगढ़ थाना प्रभारी बने अधिकारी के कार्यकाल में जुआरी,अवैध कारोबार और संदिग्ध रिहाइयों पर नरमी क्यों दिखी,14 जुआरी पकड़े गए,36 बाइक जब्त पर क्या बाकी नेटवर्क को छोड़ दिया गया? यह सवाल उसी समय सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा बन गया था।

दूसराः तीन साल एक थाना नया कीर्तिमान या सिस्टम की कमजोरी? 20 मई 2023 की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि मनेन्द्रगढ़ थाना प्रभारी के रूप में लगातार तीन साल का कार्यकाल पूरा हुआ जो सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया में अपवाद माना जाता है, रिपोर्ट ने यह भी इंगित किया कि स्थानांतरण सूची आने के बावजूद बदलाव नहीं,जिले बदले, थाना नहीं बदला, सवालों के बाद भी 'यथास्थिति' बनी रही

तीसराः सचिन-सौरभ की जोड़ी और थानों का खेल-07 जून 2023 की खबर में दावा किया गया कि एक जिले से दूसरे जिले में जिम्मेदारी का आपसी समायोजन हुआ,एक बीजापुर तो दूसरे की रायगढ़ होगी रवानी इस रिपोर्ट में पुलिस विभाग के भीतर आपसी सेटिंग,संरक्षण और अदला-बदली की चर्चाएं सार्वजनिक मंच पर आईं।

चौथाः आदिवासी महिला प्रकरणः कानून से ज़्यादा 'समझौता'?- 31 मई 2023 की खबर ने सबसे संवेदनशील सवाल खड़ा किया क्या आदिवासी महिला के सामने गिड़गिड़ाने के बाद थाना प्रभारी अपने मामले में समझौता कराने में सफल हुए? रिपोर्ट में उल्लेख था कि महिला को समझने के लिए दबाव,भावनात्मक/मानवीय सहानुभूति का उपयोग,कानूनी प्रक्रिया से इतर समाधान की कोशिश यह मामला सिर्फ प्रशासनिक नहीं,नैतिक और संवैधानिक प्रश्न भी खड़ा करता है।

पांचवाः अवैध शराब मामलाः पुलिस की ड्यूटी या एक्साइज की? प्रकाशित सवाल 2022-23 अवैध शराब पकड़े जाने के मामले में पुलिस झूठी या एक्साइज ड्यूटी के कर्मचारी झूठे? कार्रवाई का श्रेय लेने की होड़,जब्ती और एफआईआर में विरोधाभास,मौके पर मौजूद कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पर सवाल उठा अवैध शराब के नेटवर्क में कार्रवाई है या दिखावा? यह खबर पहली बार संकेत देती है कि कार्रवाई से ज्यादा कागजी संतुलन अहम था।

छठवांः दिव्यांग आरोपी मामलाः पूरा थाना खाली करना कितना वैध?-इन कार्यकाल दिव्यांग आरोपी को पकड़ने पूरा पुलिस थाना खाली छोड़कर जाना कितना उचित? थाना प्रभारी, सहायक उप निरीक्षक,प्रधान आरक्षक सभी मौके पर थाना लगभग खाली,प्रश्न उठा किः क्या आरोपी की हैसियत सामान्य थी या मामला असामान्य?'यह केस प्रशासनिक विवेक पर बड़ा प्रश्नचिह्न बन गया।

सातवांः बिना फिटनेस वाहन से अंतरराज्यीय कार्रवाई...कानून का उल्लंघन?-इनके कार्यकाल में बिना फिटनेस वाहन से दूसरे राज्य तक आरोपी पकड़ने जाना क्या सही? वाहन की फिटनेस एक्सपायर,फिर भी लंबी दूरी की कार्रवाई,दुर्घटना का जोखिम,सवालः 'अगर हादसा में आरोपी की मौत होता, जिम्मेदार कौन होता? यह मामला सीधे पुलिस मैनुअल और मोटर व्हीकल एक्ट से टकराता है।

आठवांः फिटनेस 6 दिसंबर तक फेल 7 दिसंबर को कैसे एक्टिव?- सबसे तकनीकी और गंभीर खुलासा जिस वाहन का फिटनेस 6 दिसंबर तक ऑनलाइन फेल दिख रहा था,7 दिसंबर को कैसे हुआ एक्टिव? परिवहन पोर्टल का स्क्रीनशॉट,तारीखों का स्पष्ट विरोधाभास, मैनुअल अपडेट या सिस्टम से छेड़छाड़? सवालः क्या रिकॉर्ड बदले गए? यह खबर डिजिटल ट्रेल के साथ सामने आई थी जिसे नजरअंदाज करना मुश्किल है।

सुरक्षित डिस्क्लेमर

यह समाचार पूर्णतः पूर्व में प्रकाशित खबरों, सार्वजनिक दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स एवं समाचार कटिंग्स पर आधारित है, उसमें उल्लिखित घटनाएं,आरोप एवं सवाल किसी भी व्यक्ति को दोषी ठहराने का दावा नहीं करते,किसी भी आरोप की सत्यता का अंतिम निर्णय न्यायालय अथवा सक्षम जांच एजेंसियों का विषय है, समाचार का उद्देश्य केवल जनहित में सामने आए तथ्यों, रिकॉर्ड्स और प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर उठे सवालों को पाठकों के समक्ष रखना है,जो कि संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जिम्मेदार पत्रकारिता के दायरे में आता है।

जांच जारी है...

यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती, मनेन्द्रगढ़, बीजापुर और अब रायपुर, तीनों कड़ियों को जोड़ने पर एक ऐसा पैटर्न सामने आता है, जिस पर सवाल उठना जरूरी है, अगले अंक में: 'सेटिंग सिंह' नाम कैसे पड़ा? किन-किन मामलों में शिकायतें दबाई गईं? और क्राइम ब्रांच में यह नियुक्ति किसके इशारे पर?

सूरजपुर में 3 मजदूरों की मौत कोल्ड स्टोरेज में दीवार गिरने से दबे

-संवाददाता-

सूरजपुर, 13 दिसम्बर 2025(घटती-घटना)।

जिले के नयनपुर स्थित मित्तल कोल्ड स्टोरेज में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया है। अचानक दीवार भरभराकर काम कर रहे मजदूरों पर गिर गई। दर्दनाक हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान विफल (भटगांव), भोल सिंह (ग्राम डेडरी) और वेद सिंह (बेल्टिकरी भूमिहारपारा) के रूप में हुई है। वहीं 1 घायल का इलाज जारी है। सूचना के बाद कलेक्टर और एसएसपी मौके पर पहुंचे हैं। जानकारी के मुताबिक,शनिवार की सुबह 11 बजे के करीब कोल्ड स्टोरेज में सभी मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान 4 मजदूरों पर अचानक दीवार गिर गई। घायलों को तत्काल अस्पताल लाया गया, जहां 2 मजदूरों को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि इलाज के दौरान एक और मजदूर ने दम तोड़ा। वहीं मजदूर सुरेन्द्र (रामनगर) अस्पताल में भर्ती है। घटना की सूचना पर कलेक्टर एस जयवर्धन और एसएसपी प्रशांत ठाकुर मौके पर पहुंचे। मजदूरों की मौत से नाराज ग्रामीणों ने कोल्डस्टोरेज बंद करो के नारे लगा रहे थे।

चयनित सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर में मूल दस्तावेज लेकर उपस्थित होने को कहा

छत्तीसगढ़ आरक्षक संवर्ग चयन में अभ्यर्थियों के लिए रक्षित केंद्र बलरामपुर में हेल्प डेक्स स्थापित किया गया है

-संवाददाता-

बलरामपुर, 13 दिसम्बर 2025(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023 - 24 के लिए हेल्प डेस्क बलरामपुर पुलिस मुख्यालय में स्थापित किया गया। आजाक के उप पुलिस अधीक्षक बनाए गए कमलेश्वर भगत एवं सहायतार्थ के लिए रक्षित केंद्र निरीक्षक विमलेश देवांगन का नंबर जारी किया गया। छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के निदान के लिए हेल्प डेक्स लाइन बलरामपुर रक्षित केंद्र में स्थापित किया है, जानकारी के अनुसार बलरामपुर-रामानुजगंज अन्तर्गत आने वाले सभी अभ्यर्थियों को पुलिस भर्ती से संबंधित किसी भी समस्या के निदान हेतु हेल्प डेस्क रक्षित केन्द्र बलरामपुर में स्थापित किया गया है,

हेल्प डेस्क के प्रभारी अधिकारी के रूप में श्री कमलेश्वर भगत, उप पुलिस अधीक्षक अजाक, बलरामपुर को तथा इनके सहायतार्थ श्री विमलेश कुमार देवांगन, रक्षित निरीक्षक बलरामपुर का (मोबाईल नंबर 94791-93807) एवं आरक्षक क्रमांक 1114 रितेश गिरी (मोबाईल नंबर 88393-71277) को नामांकित किया गया है। आवेदक/अभ्यर्थी पुलिस भर्ती से संबंधित किसी भी समस्या के निदान के लिए रक्षित केन्द्र बलरामपुर में स्थापित हेल्प डेस्क में अपनी समस्याओं के संबंध में दिनांक 12,13 एवं 14 दिसम्बर, 2025 को प्रथम शिफ्ट में सुबह समय 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एवं द्वितीय शिफ्ट में समय 03:30 से 05:30 बजे तक निराकरण हेतु सम्पर्क कर कर सकते हैं, प्राप्त समस्याओं का उचित समाधान/निराकरण कर संबंधित को सूचित किया जावेगा।

चयनित उम्मीदवारों के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर बताया : छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत दिनांक9/12/2025/को प्रकाशित चयन सूची में बलरामपुर रा.गंज के लिए नियुक्ति संबंधित दस्तावेज समस्त वर्गों के अभ्यर्थियों को 13/12/2025 को बलरामपुर जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दर्शाए गए दस्तावेज,1 दसवीं का मूल प्रमाण पत्र,2 छ.ग.निवासी का मूल प्रमाण पत्र,3 अपिव/अजा/आजजा के अभ्यर्थियों का मूल जाती प्रमाण-पत्र 4 भूत पूर्व सैनिक हैं तो उनके मूल प्रमाण पत्र 5 होमगार्ड है तो होमगार्ड का मूल प्रमाण पत्र 6 एनसीसी प्रमाण-पत्र धारकको को एनसीसी प्रमाण पत्र लाना होगा,7 एन एस एस प्रमाण-पत्र संलग्न किया होगा तो एन एस एस प्रमाण पत्र,खेल प्रमाण पत्र सेलेक्ट किए होंगे तो खेल प्रमाण पत्र का मूल प्रमाण पत्र, 9 रंगीन पासपोर्ट का 06 फोटो,10 समस्त मूल दस्तावेजों पठनीय का स्पष्ट छाया प्रति की तीन कॉपी लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत सरगुजा जिले के 207 श्रद्धालु विशेष ट्रेन से मथुरा-वृन्दावन रवाना

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत आज शनिवार को सरगुजा जिले के तीर्थ यात्रियों को लेकर एक विशेष ट्रेन अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से मथुरा,वृन्दावन एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए रवाना हुई। ट्रेन को सभापति,नगर पालिक निगम अंबिकापुर श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया,मेंबर इन काउंसिल नगर पालिक निगम,श्रीमती प्रियंका गुप्ता, पार्षदगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अतिथियों ने तीर्थ यात्रियों को सुखद एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। उप संचालक, समाज कल्याण विभाग सरगुजा श्री व्ही. के. उके ने बताया

कि इस यात्रा में सरगुजा जिले के विभिन्न विकासखंडों एवं नगरीय निकायों से कुल 207 यात्री शामिल हैं। इनमें जनपद पंचायत लखनपुर,मैनपाट,लुण्ड्रा, अंबिकापुर,बतौली,सीतापुर एवं उदयपुर से 23-23 यात्री, नगर निगम अंबिकापुर से 23, नगर पंचायत लखनपुर से 11 तथा नगर पंचायत सीतापुर से 11 यात्री, साथ ही 01 जिला नोडल अधिकारी एवं अनुरक्षक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि तीर्थ यात्रियों की यह यात्रा 16 दिसम्बर 2025 को सकुशल वापसी के साथ पूर्ण होगी।

यूथ कांग्रेस ने धान खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

अव्यवस्थाओं पर किसानों से संवाद,केल्हारी एसडीएम को ज्ञापन,घेराव की चेतावनी

-संवाददाता-

कोरिया/एमसीबी,13 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। धान खरीदी में सामने आ रही लगातार शिकायतों को लेकर कांग्रेस संगठन के निर्देश पर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश चंद साहू ने आज सोनहत धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया,यह निरीक्षण पूर्व विधायक गुलाब कमरो के मार्गदर्शन में किया गया। मौके पर पहुंचकर युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने तौल व्यवस्था, बारदाना उपलब्धता, शेड और किसानों की कतारों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

18 दिसंबर को घेराव की चेतावनी

कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिसंबर तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो 18 दिसंबर को जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में किसानों के साथ केल्हारी एसडीएम कार्यालय का घेराव किया जाएगा, कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसान हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और जरूरत पड़ी तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

किसानों ने गिनाईं समस्याएं

निरीक्षण के दौरान किसानों ने बताया कि तौल प्रक्रिया धीमी होने से घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, कई केंद्रों पर बारदाना की कमी बनी हुई है, बारिश की स्थिति में पर्याप्त शेड की व्यवस्था नहीं है, प्रकाश चंद साहू ने किसानों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि इन मुद्दों को प्रशासन और उच्च अधिकारियों तक पहुंचाकर शीघ्र समाधान कराया जाएगा।

धान खरीदी किसानों का अधिकार:अनित दुब

कांग्रेस नेता अनित दुबे ने केंद्र प्रबंधन को स्पष्ट शब्दों में कहा कि धान खरीदी किसानों के सम्मान और अधिकार से जुड़ा विषय है,इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी,किसानों को किसी भी परिस्थिति में परेशान नहीं होना चाहिए,उन्होंने कहा कि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

निगरानी समिति सिर्फ कागजों तक?

कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि सरकार द्वारा किसानों की सुविधा के लिए गठित निगरानी समिति कई केंद्रों पर सक्रिय नजर नहीं आ रही है। सत्ता पक्ष के कई पदाधिकारी या तो केंद्रों तक पहुंचे ही नहीं, या फिर एक-दो दिन दिखावे के बाद अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो गए। इसका सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है।

केल्हारी में एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन

केल्हारी तहसील में कांग्रेस पदाधिकारियों संदीप द्विवेदी सहित अन्य नेताओं ने धान खरीदी में व्याप्त समस्याओं को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख मांगें रखी गई वन भूमि पट्टा धारकों का धान खरीदा जाए, जिन पट्टाधारकों के पास कुछ राजस्व भूमि है, उनका भी धान खरीदा जाए,केल्हारी समिति में 25 प्रति क्विंटल हमाली वसूली तत्काल बंद हो, किसानों को 21 क्विंटल प्रति एकड़ का टोकन एक साथ दिया जाए, शासन की घोषणा के अनुसार 3100 प्रति क्विंटल का एकमुश्त भुगतान किया जाए, जिन किसानों का टोकन कट चुका है, उनके मालवाहक वाहनों को रास्ते में रोका न जाए।

मृत हितग्राही भी उठा रहे हैं वितरण प्रणाली की दुकान से राशन

ग्राम पंचायत सिंघत में मृत हितग्राही के नाम से उठ रहे राशन वितरण की जांच में लीपापोती का खेल?

जांचकर्ता अधिकारी दे रही है गोलमोल जवाब क्या दोषियों को बचाने का चल रहा है खेल?

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,13 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। ग्राम पंचायत सिंघत में खाद्यान्न वितरण प्रणाली में भारी गड़बड़ी और भ्रष्टाचार किए जाने का मामला उजागर होते ही ग्राम पंचायत में हलचल मच गई है ग्रामीणों ने आरोप लगाये थे कि स्थानीय राशन दुकान में मृत व्यक्ति के नाम के राशन कार्ड से कई वर्षों तक राशन का उठाव धड़ल्ले से किया जा रहा है। मामला ग्राम पंचायत सिंघत का है ग्रामीण का कहना है की हितग्राही की मृत्यु लगभग दो तीन वर्ष पूर्व हो चुकी है इसके बावजूद भी राशन दुकान संचालक और सरपंच तात्कालिक सचिव के द्वारा मृतक के नाम पर बीते वर्षों से राशन का उठाया किया जा रहा था। इस ग्राम पंचायत सिंघत निवासी मृत महिलाओं के नाम से ग़रीबी रेखा के राशन उठाव हो रहा था। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि जिसकी जांच करने गए अधिकारी के द्वारा मृत हितग्राहीओ के नाम को डिलीट करना दिया गया है ये भी जानकारी मिल रही है कि जांचकर्ता अधिकारी दोषियों को पुरजोर बचाने में लगे हुए हैं सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि तात्कालिक सचिव छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री का रिश्तेदार होने की धौंस देकर मामले की जांच को प्रभावित कर रहा है? अब सवाल यह उठता है कि मृत महिला के नाम पर राशन कैसे उठा और मशीन में किसका फिंगर प्रिंट लिया गया ये जांच योग है? ग्राम पंचायत सिंघत से जानकारी मिल रही है कि नामिनी के रूप में राशन कार्ड में दूसरे परिवार के व्यक्ति को नाती पोता बनकर नाम दर्ज कर उसके अंगूठे का सत्यापन कर मृत हितग्राही के राशन कार्ड से खाद्यान्न का उठाव किया जा रहा था। इस ग्राम पंचायत सिंघत में एक ही परिवार के दो सदस्यों का पति-पत्नी के नाम पर अलग-अलग राशन कार्ड बनाकर खाद्यान्न का उठाव भी किया जा रहा हैं।

ग्राम पंचायतों में नामिनी की आड में चल रहा है बडा खेल

ग्राम पंचायतों में नामिनी योजना का उद्देश्य था कि 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चे और 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग और दिव्यांगजन जो स्वयं राशन लेने नहीं आ सकते हैं वे अपने किसी परिजन को नामिनी बनाकर राशन ले सके लेकिन इस योजना की आड में अब मृत व्यक्तियों के नाम पर दूसरे परिवारों का नाम राशन कार्ड में जोड़कर खाद्यान्न का उठाव का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। इस संबंध में फूड इंस्पेक्टर से जांच से संबंधित जानकारी चाही तो उन्होंने ने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि जाच रिपोर्ट अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को दी जाएगी हम किसी जांच से संबंधित कोई जानकारी नहीं दे सकते हैं।

केस वापस लेने के लिए व्यापारी परिवार को जान से मारने की धमकी

सूरजपुर में दबंगों का आतंक,एफआईआर दर्ज न होने पर उठे सवाल

-शमरोज खान-

सूरजपुर,13 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। सूरजपुर में एक व्यापारी परिवार को केस वापस लेने के लिए लगातार जान से मारने की धमकियां, गाली-गलौच और दबाव दिए जाने का गंभीर मामला सामने आया है, पीड़िता कोमल जैन (22 वर्ष) ने थाना सूरजपुर में लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि उनके पिता दिनेश कुमार जैन,जो मेन रोड स्थित भारत बूट हाउस के संचालक हैं, उन्हें और पूरे परिवार को संगठित रूप से डराया-धमकाया जा रहा है।

दुकान में घुसकर धमकी,कागज लिखवाने की कोशिश

शिकायत में बताया गया कि 21 नवंबर 2025 को अनावेदक महबूब हुसैन अंसारी उर्फ बड़खा,मंजूर अंसारी, शकीला बानो दुकान में घुस आए और खुलेआम धमकी दी कि केस वापस नहीं लिया तो पूरे परिवार के साथ अंजाम बुरा होगा,पीड़िता से भी जबरन कागज पर लिखवाने का प्रयास किया गया। इस दौरान व्हाट्सऐप पर कथित रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेज भेजकर अभियुक्तों को फरार कराने का दावा भी किया गया।

सीसीटीवी देखते ही भागा आरोपी

24 नवंबर 2025 को महबूब अंसारी पहले फोन कर और फिर दोपहर में दुकान पर पहुंचा। पूछताछ के दौरान जब उसे सीसीटीवी कैमरे का आभास हुआ तो वह मौके से भाग निकला। कॉल रिकॉर्डिंग उपलब्ध होने का दावा भी शिकायत में किया गया है।

पहले भी जेल जा चुका हूं...मर्डर कर दूंगा...

पीड़िता के अनुसार 25 अगस्त 2024 और 3 मार्च 2025 को भी फोन व दुकान पर आकर आरोपियों के परिजनों ने कहा कि आरोपी पहले भी जेल जा चुका है,एफआईआर कराई तो पूरे परिवार की हत्या कर देगा। इन घटनाओं की मौखिक सूचना पहले भी थाने को दी गई, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

परिवार की सुरक्षा पर गंभीर खतरा

लगातार धमकियों से व्यापारी परिवार दहशत में है,पीड़िता का कहना है कि पिता पहले से ही आर्थिक धोखाधड़ी के कारण तनावग्रस्त हैं और अब जान का खतरा मंडरा रहा है,यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कोई गंभीर घटना घट सकती है।

सवालों के घेरे में पुलिस

मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी गंभीर और बार-बार की धमकियों के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या पीड़ित परिवार को न्याय के लिए वरिष्ठ अधिकारियों या न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा?

कार्रवाई की मांग

शिकायत में अनावेदकों के खिलाफ कई धाराओं में एफआईआर दर्ज कर, परिवार को तत्काल सुरक्षा, कॉल रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी फुटेज और व्हाट्सएप संदेशों की जब्ती,न्यायालयीन कार्यवाही में बाधा डालने की जांच की मांग की गई है।

ठगी के केस से शुरू हुआ विवाद

प्रार्थिया के अनुसार,जरीफ उल्लाह, अशफाक उल्लाह,सदफ उल्लाह, नूरजहां सहित उनके परिवार ने झांसा देकर भारी रकम की ठगी की थी। इस मामले में माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,सूरजपुर के आदेश पर थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 281/25 दर्ज है और विवेचना चल रही है। इसी केस को वापस लेने के लिए अब दबाव बनाया जा रहा है।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 93401 54656, 98265-32611

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं (1): ई- निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-162-25-26, दिनांक 08.12.2025

कार्यः दो वर्षों के लिए सहायक मंडल अभियंता / पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत शीतकालीन गश्त के लिए सहायक गश्ती दल (गश्ती दल साथी) की तैनाती।

निविदा मूल्य :1,33,63,142.40/- अमानत राशि : (रु) 2,16,800.00/- कार्य पूर्णता की अवधिः 24 माह निविदा जमा की आरंभ तिथी : दिनांक 15-12-2025 के 11.00 बजे से। निविदा जमा की अंतिम तिथीः दिनांक 29-12-2025 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/535 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

R.O.No-AM-535 D-13-12-2025

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी, उप वनमण्डल उदयपुर (छ0ग0)

ईश्तेहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरगुजा वनमण्डल अंतर्गत उदयपुर उपवनमण्डल के वन परिक्षेत्र उदयपुर में दिनांक 02.12.2023 को गश्ती के दौरान वन परिक्षेत्र उदयपुर के वन कर्मचारियों द्वारा मारूती ओमनी वाहन क्रमांक CG04 HB 0495 में लोड राष्टीयकृत अवैध वनोपज साल चिरान 08 नग = 0.303 घ.मी. सहित स्थान- लखनपुर हॉस्पिटल के पास पकड़ा गया। अवैध वनोपज के अवैध रूप से परिवहन में लिप्त पाये जाने के कारण परिसर रक्षक उदयपुर द्वारा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 52 (1), धारा 33 (1), धारा 41 (1) एवं छ.ग. वनोपज व्यापार (विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 5 (1) ग के तहत् जप्ती की कार्यवाही करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 18624/09 दिनांक 02.12.2023 पंजीबद्ध किया गया। जिसकी सूचना वन परिक्षेत्राधिकारी उदयपुर द्वारा उनके पत्र क्रमांक/1803 दिनांक 03.12.2023 के माध्यम से प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमण्डलाधिकारी उदयपुर को दी गई।

प्रस्तुतकर्ता अधिकारी एवं वन परिक्षेत्राधिकारी उदयपुर द्वारा प्रकरण की जांच परिक्षेत्र सहायक उदयपुर से कराया गया। तत्पश्चात् जांच प्रतिवेदन प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी उदयपुर के कार्यालय में राजसात किये जाने की अनुशंसा सहित प्रस्तुत किया गया।

प्रकरण अंतर्गत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.) को वाहन स्वामी का नाम एवं पता प्राप्ति हेतु पत्र लेख किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा उक्त वाहन के पंजीकृत स्वामी संबंधी जानकारी नहीं दिया गया। जांच प्रकरण में संलग्न दस्तावेज अनुसार जप्त वाहन के स्वामी को कारण दर्शाओ सूचना पत्र जारी कर पर्याप्त अवसर दिया गया, परन्तु वाहन स्वामी उपस्थित नहीं हुए।

अतः इस सूचना के माध्यम से अवसर देते हुए सूचित किया जाता है कि उक्त जप्त वाहन में वाहन स्वामी या जिस किसी का भी हित निहित हो, अपने स्वामित्व संबंधी समस्त वैधानिक दस्तावेजों सहित दिनांक 15.01.2026 तक या इसके पूर्व किसी भी कार्यालयीन दिवस को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् कोई दावा मान्य नहीं होगा एवं उपरोक्त जप्त वाहन शासन के पक्ष में राजसात कर दी जावेगी।

जी नंबर-252605414/1

प्राधिकृत अधिकारी एवं
उप वनमण्डलाधिकारी,
एवं वनमण्डल उदयपुर (छ0ग0)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

यात्री टिकट सुविधा केंद्र के चयन और स्थापना हेतु निविदा सूचना

अधिसूचना क्रमांकः कॉम/कांट्र/वाय.टी.एस.के/पार्ट-V-A/बीएसपी/25, दिनांक 10/12/2025. भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर मण्डल यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाई.टी. एस. के.) के चयन और स्थापना के लिए 27 शहरों में आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट विक्रय हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

सभी अधिकृत रेलवे टिकट एजेंटों जैसे रेल यात्रा सेवा एजेंट (आर.टी.एस.ए.), रेल ट्रैवल एजेंट (आर.टी.ए.), रीटेल सर्विस प्रोवाइडर (आर.एस.पी.), जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवक (जे.टी.बी.एस.) और भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा नियुक्त टिकट एजेंटों सहित सभी अधिकृत रेलवे टिकट एजेंट, पूर्व में या वर्तमान में काम कर रहे हैं, जो कि कम से कम दो (2) साल के अनुभवी हो वही वाई.टी.एस. के. की योजना के तहत पात्र हैं।

(1) कार्य का नाम : बिलासपुर डिवीजन पर आरक्षित और अनारक्षित रेल टिकट जारी करने के लिए यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाई.टी.एस.के.) के चयन और स्थापना के लिए निविदा अधिसूचना। (2) स्टेशन : बिलासपुर, रायगढ़, चाम्पा, अनूपपुर, कोरबा, उसलापुर, शहडोल, अम्बिकापुर, अकलतरा, पेंड्रा रोड, उमरिया, अमलाई, बैकुंठपुर रोड, बाराद्वार, बिजुरी, बिरसिंहपुर, बिश्रामपुर, ब्रजराजनगर, बुढ़ार, चिरिमिरी, जयरामनगर, जांजगीर–नैला, खरसिया, कोतमा, मनेन्द्रगढ़, सक्ती एवं सूरजपुर रोड। (3) अनुबंध की अवधि : तीन वर्ष। (4) निविदा प्रपत्र का मूल्य : निरंक। (5) निविदा प्रपत्र प्राप्त होने कि तिथिः 17.12.2025। (6) निविदा प्रपत्रों के जमा करने की तिथि व समय : 08.01.2026 के 11:00 बजे से 08.01.2026 के 15:30 बजे तक। (7) निविदाएं खोलने के लिए तिथि व समय : 08.01.2026 के 16:00 बजे।

नोटः यदि किसी कारणवश निविदा खोलने की तिथि शासकीय अवकाश हो या शासकीय अवकाश घोषित किया जाता हो तो प्राप्त निविदाएं अगले कार्य दिवस पर खोली जाएंगी।

निविदा दस्तावेज, पात्रता मानदंड विस्तृत जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क करे एवं निविदा दस्तावेज हमारी वेबसाइट "www.secr.indianrailways.gov.in" पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर सकते हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
सीपीआर/10/542 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

R.O.No-MUM01864/25-26

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क.- /अ-27/2024-25
ग्राम- बंधा प0ह0न0- 21

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कंचन दास आ0 स्व0 बाभन दास पत्नि कमल दास जाति पनिका निवासी ग्राम बंधा थाना व तहसील लखनपुर द्वारा भू-राजस्व संहिता की धारा 178 के तहत आवेदन पेश कर ग्राम बंधा स्थित प्रमोद भूमि खसरा क्रमांक 775 रकबा 0.194 हे0 भूमि जो आवेदिका एवं अनावेदकगण प्रमोद दास, आनन्द दास, रजमेन दास आ0 स्व0 बाभन दास, पुलडू बाई पत्नि स्व0 बाभन दास जाति पनिका के संयुक्त स्वामित्व के रूप में राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदिका द्वारा उक्त भूमि का बंटवारा अपने और अनावेदकगण के मध्य 1/5 भागों में विभाजन हेतु निवेदन किया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आवेदकग कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 17.12.2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

सील
तहसीलदार
लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

एक दिन में 12,680 मामलों का ऐतिहासिक निराकरण

बैकुंठपुर-मनेन्द्रगढ़ में न्याय का महाअभियान,11.94 करोड़ से अधिक का सेटलमेंट

कुल उपलब्धि एक नजर में नेशनल लोक अदालत 2025 में...

कुल निराकृत प्रकरण : 12,680

कुल सेटलमेंट राशि : 11,94,08,881 (लगभग 11.94 करोड़ रुपये)

खंडपीठों की संख्या :

न्यायालयीन - 15

राजस्व (बैकुंठपुर) - 9

राजस्व (एमसीबी) - 20

यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बैकुंठपुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है

त्वरित,सुलभ और सस्ता न्याय लोक अदालत के माध्यम से...

पक्षकारों को समय की बचत

कम खर्च में न्याय

आपसी सहमति से स्थायी समाधान मिला, साथ ही,न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम हुआ...

-रवि सिंह-

कोरिया,13 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बैकुंठपुर (जिला-कोरिया) के तत्वावधान में 13 दिसंबर 2025, शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत ने न्यायिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। इस एक दिवसीय लोक अदालत में कुल 12,680 प्रकरणों का निराकरण कर हजारों पक्षकारों को वर्षों से लंबित मामलों से राहत दिलाई गई, यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का संदेश

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत का लाभ उठाएं, क्योंकि यह न्याय पाने का सरल, सौहार्दपूर्ण और प्रभावी माध्यम है।

प्रधान जिला न्यायाधीश के नेतृत्व में व्यापक आयोजन

नेशनल लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया,इस अवसर पर जिला न्यायालय बैकुंठपुर,मनेंद्रगढ़ न्यायालय में कुल 15 न्यायालयीन खंडपीठों का गठन किया गया, जहां आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर मामलों का निपटारा किया गया।

न्यायालयीन प्रकरणों का विवरण

लोक अदालत में प्रस्तुत किए गए मामलों में कुल 3,532 प्रकरण न्यायालयों में रखे गए, इनमें से 2,833 प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामे के माध्यम से किया गया, इन प्रकरणों में ?98,57,053 (98 लाख 57 हजार 53 रुपये) की राशि का सेटलमेंट हुआ, इन मामलों में पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, सिविल विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, श्रम विवाद एवं अन्य समझौता योग्य प्रकरण शामिल रहे।

राजस्व न्यायालयों और एमसीबी जिले में भी बड़ा निपटारा-

नेशनल लोक अदालत के अंतर्गत राजस्व न्यायालय बैकुंठपुर में, 9 खंडपीठों का गठन किया गया,जिला एमसीबी (मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) में,20 राजस्व खंडपीठों का गठन किया गया,इन खंडपीठों के माध्यम से जिला कोरिया एवं जिला एमसीबी के 9,768 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया।

प्री-लिटिगेशन मामलों में भी राहत

लोक अदालत में केवल न्यायालयों में लंबित मामलों ही नहीं,बल्कि प्री-लिटिगेशन (वाद-पूर्व) प्रकरणों का भी समाधान किया गया,इनमें बैंक ऋण विवाद, नगरपालिका कर विवाद, टेलीफोन/विद्युत विभाग से जुड़े मामले,अन्य शासकीय विभागों के विवाद शामिल रहे,कुल 14,957 प्री-लिटिगेशन प्रकरण रखे गए जिनमें से 9,847 मामलों का सफल निराकरण किया गया।

कोरबा में हुए ट्रिपल मर्डर का खुलासा

5 लाख को 2.50 करोड़ बनाने के लालच में हो गई हत्या

बैगा ने रस्सी से गला घोंटकर मार डाला

तीनों को बारी-बारी से अंदर बुलाया

बैगा ने मृतकों को कमरे के बाहर रस्सी पकड़कर खड़े रहने को कहा और तंत्र-मंत्र की प्रक्रिया के बहाने एक-एक कर मृतकों को कमरे के अंदर बुलाया। पहले मृतक नितेश रात्रे को कमरे के अंदर बैठाकर उसके गले में नायलॉन की रस्सी डाली और बाहर खड़े आरोपियों को रस्सी खींचकर गला घोंटने को कहा,रस्सी से गला घोंटने के कारण नितेश रात्रे की मौके पर ही मौत हो गई। इसी तरह मृतक असरफ मेमन व सुरेश साहू को भी तंत्र-मंत्र की प्रक्रिया के बहाने कमरे के अंदर बुलाया और नायलॉन रस्सी से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी गई।

तंत्र-मंत्र से ठीक करने का नाटक करता रहा बैगा

इस बीच बाहर खड़े अशरफ के परिजन और अन्य लोगों ने जब तीनों को बेहोशी की हालत में देखा और अस्पताल ले जाने की बात कही, तब बैगा ने कहा कि वह इन्हें तंत्र-मंत्र से ठीक कर देगा। ऐसा करके बैगा ने लगभग 4 घंटे बर्बाद कर दिए और उसके बाद लोगों ने अशरफ सहित तीनों व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाया,जहां इन तीनों को मृत घोषित कर दिया गया।

-संवाददाता-

कोरबा,13 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

ऊर्जानगरी कोरबा में हुए चर्चित ट्रिपल मर्डर मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने तांत्रिक के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। दरअसल तांत्रिक ने ही तंत्र-मंत्र के द्वारा 5 लाख को 2.50 करोड़ करने का लालच दिया था। पुलिस ने घटना में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर आज इस पूरे मामले का खुलासा किया। 11 दिसम्बर को थाना उरगा क्षेत्र के ग्राम कुदरी स्थित एक फार्म हाउस में तीन व्यक्तियों की संदिग्ध मौत की सूचना मिलते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम गठित कर घटनास्थल निरीक्षण किया गया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि मुख्य आरोपी बैगा आशीष दास द्वारा तंत्र-मंत्र के माध्यम से 5 लाख रुपये को 2 करोड़ 50 लाख रुपये करने का झांसा देकर मृतक नितेश रात्रे, असरफ मेमन एवं सुरेश साहू को ग्राम कुदरी स्थित असरफ मेमन के फार्म हाउस में तंत्र-मंत्र के नाम पर बुलाया था। 10 दिसम्बर की शाम को आरोपी तांत्रिक आशीष दास अपने साथ नायलॉन की रस्सी, नींबू, नारियल, अगरबत्ती व अन्य तंत्र-मंत्र सामग्री लेकर फार्म हाउस पहुंचा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा उप जेल का निरीक्षण

-संवाददाता-

एमसीबी,13 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट याचिका (सी) क्रमांक 1404/2023 सुकन्या संस्था बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य में पारित निर्णय के अनुपालन में आज उप जेल मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण दल में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शैलेश कुमार तिवारी, कलेक्टर श्री डी. राहुल वेंकट,पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री लोकेश कुमार बंजारा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा तथा जिला विजिटर बोर्ड के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान बंदियों को निरुद्ध अवधि में प्राप्त होने वाले अधिकारों एवं मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि सभी बंदियों को समय पर विधिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। निरीक्षण बोर्ड ने बंदियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। दल द्वारा उप जेल के अधोसंरचना, बैरकों की स्थिति, बंदियों के उपयोग हेतु उपलब्ध शौचालयों की स्वच्छता एवं रख-रखाव की समीक्षा की गई। साथ ही बंदियों को प्रदत्त भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की गई। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर में किसी भी प्रकार का जातिगत अथवा अन्य भेदभाव नहीं पाया गया।

इसके अतिरिक्त जेल परिसर में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं तथा बंदियों को प्रदान की जा रही विधिक सहायता की स्थिति का अवलोकन किया गया। उल्लेखनीय है कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय दिनांक 03 अक्टूबर 2024 के निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विजिटर बोर्ड, एमसीबी द्वारा प्रत्येक तिमाही उप जेल मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जेल में निरुद्ध बंदियों को सभी विधिक एवं मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों तथा उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव न हो।

CMYK

तुमने बहुत कम समय दिया...स्मिता पाटिल की पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर इमोशनल हुए राज बब्बर

राज बब्बर ने अपनी दिवंगत पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री स्मिता पाटिल को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए एक भावुक संदेश लिखा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्मिता की असाधारण प्रतिभा,गहरी सहानुभूति और उनके कम समय के जीवन के बावजूद अनगिनत दिलों पर छोड़ी गई छाप की सराहना की। स्मिता पाटिल का निधन 1986 में अपने बेटे प्रतीक बब्बर के जन्म के कुछ दिनों बाद ही हो गया था...

दिग्गज अभिनेता-राजनेता राज बब्बर ने स्मिता पाटिल से साल 1983 में शादी की थी। दोनों खुशहाल जिंदगी जी ही रहे थे कि अचानक तीन साल बाद 13 दिसंबर 1986 को स्मिता पाटिल का निधन हो गया।

अब शनिवार को अपनी दिवंगत पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री स्मिता पाटिल की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए एक भावुक दिल को छू लेने वाला मैसेज लिखा।

राज बब्बर ने लिखा इमोशनल मैसेज

स्मिता को श्रद्धांजलि देते हुए राज बब्बर ने इंस्टाग्राम पर लिखा,स्मिता पाटिल को एक सच्ची महान अभिनेत्री बनाने वाली खूबी वही थी जो पर्दे के बाहर भी उनकी पहचान थी। वे असाधारण रूप से प्रतिभाशाली थीं। उनकी गहरी सहानुभूति ने आम लोगों के संघर्षों को जीवंत कर दिया और साधारण कहानियों को न्याय के लिए भावपूर्ण गीतों में बदल दिया।

उन्होंने हमें बहुत कम समय के लिए अपने जीवन से जोड़ा, फिर भी अनगिनत दिलों में उनकी छाप आज भी महसूस होती है। आपने हमें आपको जानने का बहुत कम समय दिया। यह रहस्य हमेशा अनसुलझा ही रहेगा। स्मिता को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए।

बेटे के जन्म के बाद हो गया था निधन

राज बब्बर और स्मिता पाटिल की मुलाकात 1982 में फिल्म भीगी पलकें के सेट पर हुई थी। दोनों ने 1983 में शादी कर ली। राज बब्बर पहले से ही नादिरा से विवाहित थे। हालांकि, राज बब्बर और स्मिता पाटिल का विवाह बहुत कम समय रहा क्योंकि दिसंबर 1986 में चाइल्ड बर्थ के दौरान हुई कुछ दिक्कतों के कारण अभिनेत्री का निधन हो गया। उनके बेटे प्रतीक बब्बर के जन्म के महज 15 दिन बाद ही उनका निधन हो गया।

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने भी स्मिता पाटिल को याद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्मिता पाटिल को श्रद्धांजलि देते हुए एक पोस्ट किया। स्मिता पाटिल का नाम बॉलीवुड की वर्सेटाइल एक्ट्रेसेज में गिना जाता है। उन्होंने मंथन, बाजार, अर्ध सत्य और वारिस जैसी हमें कुछ यादगार फिल्में दी हैं।

सचेत-परंपरा कंट्रोवर्सी पर अमाल मलिक ने किया रिएक्ट,कहा...जिसे दिक्कत है वो कार्ट...

अमाल मलिक और सचेत-परंपरा के बीच बेख्याली गाने के क्रेडिट को लेकर विवाद गहरा गया है। सचेत-परंपरा ने अमाल पर गाने का श्रेय लेने का आरोप लगाया, जिस पर अमाल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने कभी किसी दूसरे के काम का श्रेय नहीं लिया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी को समस्या है तो वे अदालत जाएं, ऑनलाइन आरोप न लगाएं।

अमाल मलिक और सचेत-परंपरा के बीच चल रही सार्वजनिक बहस ने एक नया मोड़ ले लिया है। संगीत की इस जोड़ी ने बिग बॉस 19 के प्रतियोगी अमाल मलिक पर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म कबीर सिंह के गाने बेख्याली का श्रेय बार-बार लेने का आरोप लगाया था, जिसके बाद अब अमाल ने भी इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। जूम से बात करते हुए अमाल मलिक ने कहा कि उन्होंने कभी भी किसी दूसरे के काम का श्रेय नहीं लिया है। उन्होंने कहा, मैं हर बात मानूंगा, लेकिन सच बोलूंगा। अगर कोई इंडस्ट्री में मेरा नाम खराब करना चाहता है, जो वे करते हैं, अगर कोई इंटरव्यू के जरिए यह कहना चाहता है कि 'उसने भी रीमिक्स किया तो किया',तो कैसे किया वो भी आप देखिए।

मैंने किसी का क्रेडिट नहीं लिया-अमाल

कंपोजर ने कहा कि वो क्रेडिट देने में हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि कहीं से भी कोई गलती न हो। अमाल ने आगे कहा,किसका क्रेडिट खाया? कभी बोला है कि ये गाना मेरा है या बोला है कि रीक्रिएट नहीं किया? लोग दूसरों के गानों पर अपना नाम लिख देते हैं और कहते हैं मैंने बनाया। मैंने ऐसा कभी नहीं किया। क्या किसी संगीतकार ने, जिसके गाने को मैंने रीक्रिएट किया है, उठकर कहा है कि उसने मेरे गाने को बर्बाद कर दिया है? कभी नहीं। आप जाकर देख लीजिए कि पहले क्या हुआ है।

कोई केस नहीं करता - अमाल

इस मामले को ऑनलाइन उछाले जाने पर सवाल उठाते हुए अमाल ने कहा कि इसे औपचारिक रूप से सुलझाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा,वे मेरे सामने कभी ऐसा नहीं कहते क्योंकि उनमें से आधे मुझसे डरते हैं, और यही सच है। वे कभी आकर मुझसे बात नहीं करेंगे। वे इंस्टाग्राम पर ही बोलेंगे, अदालत में केस नहीं करेंगे। अगर किसी को कोई समस्या है,तो सीधे अदालत में जाएं। अगर आपको लगता है कि मैंने आपके संगीत की नकल की है,तो मानहानि का केस करें।

कांथा की कुमारी ब्यूटी से चलाती हैं दिलों पर छुरियां,कौन हैं नई वायरल गर्ल भाग्यश्री बोरसे

बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के बाद अब दुलकर सलमान और भाग्यश्री बोरसे की फिल्म कांथा नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इस मूवी में कुमारी का किरदार अदा करने वाली भाग्यश्री बोरसे अपने खूबसूरत लुक्स और एक्टिंग से लोगों का ध्यान खींच रही हैं।

14 नवम्बर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म कांथा अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ चुकी है। पीरियड क्राइम ड्रामा फिल्म तमिल के उस सुपरस्टार की कहानी है, जो कभी सोने की थाली में खाता था, लेकिन एक विवाद न उनके करियर को तबाह कर दिया।

वेटरन एक्टर एम. के. त्यागराज भागवतर का किरदार पर्दे पर दुलकर सलमान ने निभाया है। थिएटर की तरह ही ह्वञ्ज प्लेटफॉर्म्स के दर्शकों को भी ये बेहद पसंद आ रही है।

कांथा में दुलकर सलमान का किरदार तो लोगों का ध्यान खींच ही रहा है, लेकिन इसके अलावा कुमारी का किरदार निभाने वाली भाग्यश्री बोरसे भी सोशल मीडिया पर काफी सर्च की जा रही हैं। कौन हैं कांथा की खूबसूरत हसीना भाग्यश्री बोरसे।

कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन का हिस्सा थीं भाग्यश्री

6 मई 1999 में जन्मीं भाग्यश्री बोरसे का जन्म छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद), महाराष्ट्र में हुआ था। हालांकि,उनकी स्कूलिंग लागोस, नाइजीरिया में हुई उसके बाद वह इंडिया लौट आईं और मॉडलिंग के साथ-साथ बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की।

भाग्यश्री बोरसे भले ही अब तेलुगु-तमिल सिनेमा में शिफ्ट हो चुकी हों, लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत हिंदी फिल्मों में की थी। साल 2023 में रिलीज फिल्म यारियां में

उन्होंने कैमियो किया था और राजलक्ष्मी का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्हें चंदू चैंपियन में भी कैमियो रोल ही मिला और वह जर्नलिस्ट नयनतारा बनी। बॉलीवुड में काम न बनता देख 2024 में उन्होंने साउथ सिनेमा में मूवी किया, जहां उन्होंने रवि तेजा और जगपति बाबू के साथ फिल्म मिस्टर बच्चन में मुख्य भूमिका निभाई। जिसके लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू के अवॉर्ड से भी नवाजा गया।

इसके बाद भाग्यश्री ने विजय देवरकोंडा की फिल्म किंगडम में डॉ मधु का किरदार निभाया। इस फिल्म के बाद वह दुलकर सलमान के अपोजिट फिल्म कांथा में नजर आईं, जिसमें उन्होंने उनकी प्रेमिका का रोल अदा किया।

बला की खूबसूरत हैं भाग्यश्री बोरसे

भाग्यश्री बोरसे इतनी खूबसूरत हैं कि उनके सामने आप नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी से लेकर सभी पुरानी वायरल गर्ल्स को भूल जाएंगे। यही वजह है कि 3 साल के छोटे से करियर में उनकी मैसिव फैन फॉलोइंग है। भाग्यश्री बोरसे के इंस्टाग्राम पर 1.9 मिलियन की फैन फॉलोइंग है। वह कभी साड़ी में तो कभी अपने बोल्ड लुक में फैंस के दिलों पर छुरियां चलाने का कोई मौका नहीं छोड़ती। फैंस भी उनकी तस्वीरों के नीचे कमेंट करके एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं।

अक्षय खन्ना का कैसा है अपनी सौतेली मां संग रिश्ता

विनोद खन्ना की दूसरी पत्नी बोली... मैंने कभी उसकी मां...

धुरंधर एक्टर अक्षय खन्ना जब स्कूल में पढ़ते थे, तभी विनोद खन्ना और उनकी मां गीतांजलि का तलाक हो गया था। विनोद खन्ना ने साल 1990 के दूसरी शादी कविता खन्ना से की थी। हाल ही में अक्षय खन्ना की सौतेली मां कविता ने एक खास बातचीत में अपने और धुरंधर एक्टर के रिश्ते पर बात की...

अक्षय खन्ना इस वक्त सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर के लिए उन्हें दर्शकों का बहुत प्यार मिल रहा है। उन्होंने फिल्म में पाकिस्तान के ल्यारी के गैंगस्टर रहमान डकैत का किरदार निभाया है।

धुरंधर की सफलता के बीच उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई है। एक तरफ जहां अक्षय खन्ना के पिता विनोद खन्ना के कई पुराने इंटरव्यूज वायरल हुए, तो वहीं दूसरी तरफ अब उनकी सौतेली मां कविता खन्ना ने भी खुलकर अपने और एक्टर की बॉन्डिंग पर बोला है।

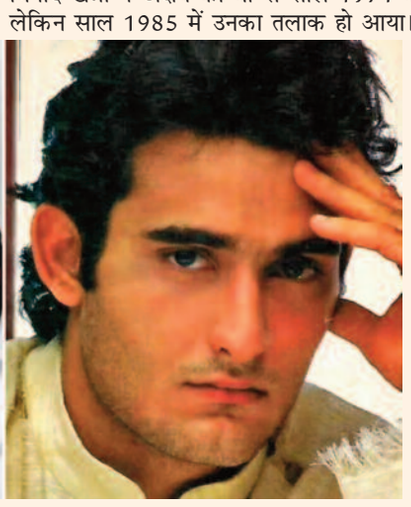

अक्षय खन्ना संग रिश्ते पर कही ये बात

विनोद खन्ना ने दो शादियां की थी, जहां उनकी पहली पत्नी गीतांजली खन्ना से अक्षय खन्ना और राहुल खन्ना हैं, तो वहीं दूसरी पत्नी कविता के बेटे साक्षी खन्ना हैं। कविता खन्ना ने हाल ही में जर्नलिस्ट लवीना टंडन को दिए इंटरव्यू में अक्षय खन्ना से अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। कविता ने ये भी बताया कि उन्होंने कभी भी अक्षय की मां बनने की कोशिश क्यों नहीं की।

उन्होंने कहा,मैंने कभी भी अक्षय खन्ना की मां बनने की कोशिश नहीं की, क्योंकि उनके पास पहले से ही सबसे बेस्ट मदर हैं÷। इतना ही नहीं, कविता ने विनोद खन्ना संग अपने स्पिरिचुअल कनेक्शन के बारे में भी बताया। कविता खन्ना ने कहा, यह एक जुनून और प्यार था। हमारा एक-दूसरे संग बहुत अच्छा तालमेल था। सभी कमियों के साथ हमारी शादी परफेक्ट थी।

1985 में हुआ था अक्षय खन्ना की मां से तलाक

विनोद खन्ना ने अक्षय की मां से साल 1971 में शादी की थी, लेकिन साल 1985 में उनका तलाक हो आया। रिपोर्ट्स की मानें तो विनोद खन्ना और गीतांजलि के तलाक की वजह विनोद खन्ना का अध्यात्म के प्रति समर्पण था। दरअसल, विनोद खन्ना के अपने करियर के उस पीक पर सबकुछ छो कर सन्यास ले लिया था, जब वह इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर थे। वह कई वर्षों तक पत्नी और बच्चों से दूर ओशो के पुणे आश्रम में और बाद में अमेरिका के ओरेगन में रजनीशपुरम कम्यून में रहने लगे।

रिपोर्ट्स की मानें तो जब भी गीतांजलि अपने बच्चों राहुल-अक्षय को स्कूल छो ने जाती थीं,तो उन्हें काफी ताने सुनने पड़ते थे। जिसके बाद गीतांजलि ने विनोद खन्ना को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं लौटे,जिसके बाद गीतांजलि ने उनसे तलाक का निर्णय लिया और अर्जी डाल दी।

खेल समाचार

भारत साऊथ अफ्रीका के बीच मैच आज

धर्मशाला में बल्लेबाजों की होगी चांदी या गेंदबाजों की बोलेगी तूती?

नई दिल्ली,13 दिसम्बर 2025। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट ऐसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। बता दें कि सीरीज इस वक्त टक्कर की चल रही है। इस वक्त सीरीज 1-1 से बराबर है। पहला मैच भारत तो दूसरा साउथ अफ्रीका ने जीता था। अब धर्मशाला में भी एक रोमांचक मुकाबले की पूरी उम्मीद है। आइये, ऐसे में जानते हैं कि धर्मशाला की पिच का मिजाज और मौसम कैसा रह सकता है।

धर्मशाला पिच रिपोर्ट

धर्मशाला में अच्छा बाउंस और मौसम के चलते तेज गेंदबाजों और बल्लेबाजों को ज्यादा मदद मिलती है। यहां बल्लेबाज खुलकर रन बनाते हैं जबकि शुरुआती ओवर में तेज गेंदबाज काफी घातक साबित होते हैं। तेज गेंदबाजों और बल्लेबाजों के बीच अच्छा कॉन्टेस्ट देखने को मिलता है। यहां पर स्पिनर्स को ज्यादा मदद नहीं मिलती। लेकिन, फिर भी मिडल ओवर में वे अहम भूमिका निभा सकते हैं। ड्यू के चलते जो भी टीम टॉस जीतेगी वह पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। धर्मशाला में अब तक कुल 11 मैच खेले गए हैं, जिसमें पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 4 तो दूसरी बैटिंग करने वाली टीम ने 6 मुकाबले जीते हैं। इस मैदान में पहली पारी का औसत स्कोर 137 रन है।

धर्मशाला वेदर रिपोर्ट

एक्यूवेदर के मुताबिर, रविवार को धर्मशाला में अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहेगा। ठंड जरूर होगी। लेकिन, बारिश की संभावना न के बराबर है।

मैच के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं

भारत:- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या,शिवम दुबे, जितेश शर्मा,अक्षर पटेल,वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह,जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव,वाशिंगटन सुंदर,हर्षित राणा,संजू सैमसन।

साउथ अफ्रीका:- एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपामला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

करण पटेल की शानदार पिचिंग और मिगुएल ओजेडा जूनियर के होम रन से मुंबई कोबराज़ की जीत

दुबई,13 दिसम्बर 2025। करण पटेल ने 5.0 इनिंग में 10 बल्लेबाजों को आउट किया, जबकि मिगुएल ओजेडा जूनियर ने चौथी इनिंग में सोलो होम रन मारकर मुंबई कोबराज़ को यूनाइटेड सीरीज़ में आगे कर दिया। शुक्रवार रात बेसबॉल यूनाइटेड बॉलपार्क में मिड ईस्ट फाल्कन्स को 3-1 से हराया। पटेल ने 81 गेंदों में सीज़न का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें से 57 स्ट्राइक थीं। उन्होंने सिर्फ चार हिट दिए और एलेजांद्रो डी अज़ा, जेक ह्जेल, शुहेई फुकुडा और फेडेरिको सेली को दो-दो बार आउट किया।

चैंडलर वूलरिज,जिन्होंने यूनाइटेड सीरीज़ के इतिहास में पहली जीत हासिल की ब्रैंडन कामिनर और अकील मॉरिस ने कोबराज़ के लिए पिचिंग लाइन पूरी की। ओजेडा के अलावा,गेडीओन मार्लिन ने सातवीं इनिंग में एक आरबीआई के साथ 1-फॉर-3 का स्कोर किया, जो उनकी टीम का तीसरा था। ब्रैंटली बेल ने एक रन बनाकर 1-फॉर-4 का स्कोर किया, और इयान मर्काडो ने 1-फॉर-2 का स्कोर किया।

जयपुर पोलो ने बेडला पोलो को 6.5 - 5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई

जयपुर,13 दिसम्बर 2025। जयपुर पोलो ने महाराजा ऑफ मैसूर कप के फाइनल में करीबी हार के बाद ग्वालियर कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, और बेदला पोलो को कड़े मुकाबले में 6.5-5 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एक ऐसे मैच में जिसमें उतार-चढ़ाव और तेज़ आक्रामक खेल देखने को मिला, जयपुर ने चारों चक्कों में अपना संयम बनाए रखा, जबकि बेदला पोलो ने मुकेश सिंह और फ्रेडरिक डेनियल बौडू के शानदार प्रदर्शन से कड़ी चुनौती दी। जयपुर ने मैच की शुरुआत दमदार तरीके से की, अपने हैंडीकैप का फायदा उठाते हुए पहले चक्के को 2.5-0 पर खत्म किया। जयपुर के एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह के शुरुआती आक्रामक दबाव और लांस वॉटसन की तेज़ दौड़ से टीम ने जल्दी ही लय और नियंत्रण बना लिया। बेदला पोलो ने दूसरे चक्के में ज़ोरदार वापसी की, अपनी फॉर्मेशन को मज़बूत किया, बौडू ने दो गोल किए और सिंह ने एक और गोल करके कुल तीन गोल कर दिए। हालांकि,जयपुर ने अनुशासित पज़ेशन और वॉटसन के शांत फिनिश से अपनी बढ़त बनाए रखी, और चक्के को 3.5-3 की मामूली बढ़त के साथ खत्म किया। तीसरे चक्के में जयपुर ने फिर से अपना दबदबा बनाया। एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने खेल को आगे बढ़ाया और स्कोरबोर्ड में इज़ाफ़ा किया, जबकि डिनो धनकर के महत्वपूर्ण गोल ने जयपुर की बढ़त को 5.5-3 तक बढ़ाने में मदद की। बेदला पोलो, हालांकि ऊर्जावान थी, लेकिन जयपुर के अच्छी तरह से संगठित डिफेंस को भेदना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। आखिरी चक्का और भी रोमांचक हो गया क्योंकि बेदला पोलो ने घाटे को पाटने के लिए ज़ोरदार कोशिश की। दो लेट गोल से अंतर 6.5-5 तक कम होने के बावजूद, जयपुर के रक्षात्मक अनुशासन और आखिरी चरणों में नियंत्रित गति ने यह सुनिश्चित किया कि उनकी बढ़त बरकरार रहे। इस जीत के साथ, जयपुर पोलो ने आधिकारिक तौर पर ग्वालियर कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, जो एक और फाइनल में उनकी उपस्थिति को दर्शाता है। जयपुर पोलो टीम में कुशल और समर्पित खिलाड़ी हैं जो जयपुर की शाही परंपराओं में गहराई से निहित विरासत को आगे बढ़ाते हैं। अपनी सटीकता, टीम वर्क और खेल के प्रति जुनून के लिए जानी जाने वाली यह टीम मैदान पर एक ज़बरदस्त उपस्थिति बनाए रखती है, लगातार उत्कृष्टता के लिए प्रयास करती है और हर मैच में जयपुर के गौरव का प्रतिनिधित्व करती है।

लिज़ेल ली ने इतिहास रचा,होबार्ट हरिकेंस ने पहला खिताब जीता

होबार्ट,13 दिसम्बर 2025। लिज़ेल ली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए होबार्ट हरिकेंस को अपना पहला वुमन्स बिग बैश लीग खिताब दिलाया। उन्होंने एकतरफा फाइनल में पर्थ स्कॉर्चर्स को हराते हुए एक तूफानी, नाबाद अर्धशतक लगाया। अनुशासित गेंदबाजी के दम पर स्कॉर्चर्स को 137/5 पर रोकने के बाद, हरिकेंस ने आसानी से लक्ष्य का पीछा किया और पांच ओवर शेष रहते जीत हासिल कर ली। ली ने तुरंत ही लय पकड़ ली, पहले ही ओवर में तीन चौके लगाए, जिसके बाद डेनिएल व्याट-हॉज ने भी उनका साथ दिया और हरिकेंस को तेज शुरुआत दिलाई। शुरुआती हमले से स्कॉर्चर्स बैकफुट पर आ गए और होबार्ट ने दो ओवर में बिना किसी नुकसान के 24 रन बना लिए।

अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बस्तर ओलिंपिक के समापन समारोह को संबोधित किया

बस्तर सहित पूरे भारत से नक्सलवाद 31 मार्च 2026 तक खत्म हो जायेगा : अमित शाह

रायपुर, 13 दिसम्बर 2025। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बस्तर ओलिंपिक के समापन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने तय किया था कि 31 मार्च, 2026 से पहले पूरे देश से लाल आतंक को खत्म कर देंगे और आज बस्तर ओलंपिक-2025 में हम इस कगार पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष नवंबर-दिसंबर तक बस्तर ओलंपिक-2026 के समय तक पूरे भारत और छत्तीसगढ़ से लाल आतंक समाप्त हो चुका होगा और नक्सलमुक्त बस्तर आगे बढ़ रहा होगा। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमने यह संकल्प लिया है कि पूरे बस्तर और भारत को नक्सलमुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि हमें यहीं नहीं रुकना बल्कि कांकेर, कोंडागांव, बस्तर, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा के 7 ज़िलों का संभाग बस्तर, दिसंबर 2030 दिसंबर तक देश के सबसे अधिक विकसित आदिवासी संभाग बनेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर के हर व्यक्ति को रहने के लिए घर, बिजली, शौचालय, नल से पीने का पानी, गैस सिलिंडर, 5 किलो अनाज और 5 लाख तक का मुफ्त इलाज, बस्तर के घर घर में पहुचाने का संकल्प हमारी सरकार का संकल्प है। शाह ने कहा कि हमने अगले पांच साल में बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि इसमें प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार और विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार कंधे से कंधा मिलाकर बस्तर को विकसित बस्तर बनाने के लिए मिलकर आगे बढ़ेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर का हर गांव सड़क से जुड़ेगा, वहां बिजली होगी, 5 किलोमीटर के क्षेत्र में बैंकिंग सुविधाएं होंगी और सबसे घने पीएचसी/सीएचसी का नेटवर्क बनाने का काम भी हमारी सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में वन उपज की प्रोसेसिंग के लिए कोऑपरेटिव आधार पर यूनिट्स लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर के सातों ज़िले सभी आदिवासी ज़िलों में सबसे अधिक दूध उत्पादन कर डेयरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने वाले ज़िले बनेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर में नए उद्योग, उच्च शिक्षा की व्यवस्था, भारत में सबसे अच्छा स्पोर्ट्स संकुल और अत्याधुनिक अस्पताल की व्यवस्था भी हम करेंगे। शाह ने कहा कि कुपोषण के लिए भी यहां विशेष स्कीम चलाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिन्होंने आत्मसमर्पण किया है और जो नक्सलवाद के कारण घायल हुए हैं, उनके लिए एक बहुत आकर्षक पुनर्वसन योजना भी हम लाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि नक्सलवाद समाप्त हो क्योंकि नक्सलवादी इस क्षेत्र के विकास पर नाग बनकर फन फैलाए बैठे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद समाप्त होने के साथ ही इस क्षेत्र में विकास की एक नई शुरूआत होगी और प्रधानमंत्री मोदी जी और विष्णुदेव जी के नेतृत्व में यह सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा। अमित शाह ने कहा कि बस्तर ओलंपिक-2025 में सात ज़िलों की सात टीमें और एक टीम आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की थी। उन्होंने कहा कि जब 700 से अधिक सरेंडर्ड नक्सलियों ने इन खेलों में भाग लिया तो यह देखकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के झांसे में आकर उनका पूरा जीवन तबाह हो जाता और हथियार डालकर मुख्यधारा में आने वाले ऐसे 700 से अधिक युवा आज खेल के रास्ते पर आए हैं।

2 हजार से ज्यादा नक्सली युवा सरेंडर किए : शाह

शाह ने कहा कि जिन्होंने सरेंडर किया है, जो नक्सलवाद के कारण परेशान हुए हैं। उनके लिए अति सुंदर पुनर्वास की योजना लेकर आए हैं। 2 हजार से ज्यादा नक्सली युवा सरेंडर किए हैं। हमारे समाज प्रमुखों ने बहुत बड़ा योगदान दिया है। जो लोग अब भी हथियार लेकर घूम रहे हैं, उन्हें समाज के सदस्य मुख्य धारा में लाने के लिए कोशिश करें। शाह ने कहा कि मैं देवी की भूमि पर कहकर जा रहा हूं कि बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाएंगे।

देश की भूमि को नक्सलवाद मुक्त कराना है : शाह

शाह ने कहा कि मैं आज बस्तर आया हूं,मुझसे ज्यादा आनंद और किसी को नहीं होगा। भाइयों और बहनों मैं 2024 में आया था। 25 में आया और 26 में भी आऊंगा। जब मैं आऊंगा तब पूरे देश से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त होगा। हमारे देश की भूमि को नक्सलवाद मुक्त कराना है। 7 जिलों का संभाग 2030 दिसंबर तक मेरा बस्तर देश के विकसित जिले बनेंगे।

छत्तीसगढ़ में नर्सरी स्कूलों पर हाईकोर्ट सख्त..

चीफ जस्टिस बोले...केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह गई गाइडलाइन,कहा...ये पर्याप्त नहीं,सख्त नियम बनाएं

रायपुर, 13 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि नर्सरी व प्ले स्कूलों पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 19 नवंबर 2025 को जारी गाइडलाइन बिना सजा के प्रावधान के केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह गई हैं। इनका कोई वास्तविक प्रभाव या कानूनी वैधता नहीं है। डिवीजन बेंच ने प्री-नर्सरी और नर्सरी स्कूलों को लेकर राज्य सरकार की तैयारियों पर सख्त नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने कहा कि गाइडलाइन से पहले नियम बनाएं, जो संस्थान निःशुल्क शिक्षा देने के लिए बाध्य हैं,उनके लिए कठोर और पारदर्शी नियम आवश्यक हैं, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता या उल्लंघन पर जवाबदेही तय की जा सके। दरअसल,भिलाई निवासी सी भगवंत राव ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है, जिसमें आरटीई, नर्सरी स्कूल खोलने के लिए नियम नहीं होने समेत अन्य मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही इस मुद्दों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता विकास तिवारी सहित अन्य की याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की जा रही है।

शिक्षा सचिव का जवाब-976 शिकायतें, सिर्फ 167 का निपटारा : हाईकोर्ट के पिछले आदेश के परिपालन में शिक्षा सचिव ने शपथ पत्र प्रस्तुत किया। बताया गया कि सत्र 2025-26 के दौरान अभिभावकों से कुल 976 शिकायतें मिली हैं, जिनमें से केवल 167 शिकायतों का निपटारा किया गया है। 809 मामले अब भी लंबित पड़े हैं। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से आंकड़ों के साथ बताया गया कि दुर्ग जिले में 183 शिकायतों में से 1 और बिलासपुर में 99 में से 1 शिकायत का निपटारा हुआ है।

अभिभावकों की शिकायतों का तत्काल समाधान हो...

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अभिभावकों की शिकायतों का तत्काल समाधान होना चाहिए, क्योंकि नर्सरी और प्री-नर्सरी स्तर के बच्चों से जुड़ी किसी भी समस्या को लंबे समय तक लंबित रखना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी लंबित शिकायतों पर जल्द कार्रवाई हो। अगली सुनवाई के दिन विस्तृत शपथ पत्र देने के आदेश दिए गए हैं।

महाधिवक्ता ने कहा- गाइडलाइन का पुनरीक्षण करेंगे...

महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने हाईकोर्ट को भरोसा दिलाया कि शिक्षा विभाग गाइडलाइन का पुनरीक्षण करेगा और उचित संशोधन करते हुए इन्हें कानूनी रूप देने पर विचार करेगा। हाईकोर्ट ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार इस मामले की गंभीरता को समझते हुए एक ठोस नीति और निगरानी का सिस्टम बनाएगा। जिससे छोटे बच्चों की शिक्षा से जुड़े संस्थानों में पारदर्शिता, सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

कथनी और करनी में कितना अंतर?

एक दिन दुःख प्रकट करता हुआ संदेश...दूसरे दिन जश्न की तस्वीरें

-न्यूज डेस्क-

रायपुर/कोरिया 13 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। सोशल मीडिया पर भावनात्मक अपील और अगले ही दिन सार्वजनिक मंच पर उत्सव यह विरोधाभास ही आज की राजनीति की सबसे बड़ी बहस बन गया है,एक दिन लिखा जाता है दिल बहुत उदास है...जन्मदिन पर इस बार उत्सव न मिले,और अगले दिन नेताओं की मौजूदगी में केक काटने की तस्वीरें वायरल हो जाती हैं, सवाल यहीं से उठते हैं,क्या भावनात्मक पोस्ट केवल सहानुभूति जुटाने का माध्यम बन गए हैं? क्या निजी शोक और सार्वजनिक आचरण के बीच स्पष्ट रेखा होनी चाहिए? जब मंच पर कैमरे हों,तो क्या संदेश बदल जाता है?

राजनीतिक संदेश बनाम सार्वजनिक आचरण

राजनीति में प्रतीक और संदेश का महत्व होता है,
लेकिन जब शब्द और दृश्य एक-दूसरे के विपरीत दिखें, तो भरोसा डगमगाता है,आम जनता यही पूछती है जो कहा गया, वही किया भी गया या नहीं? यह मामला किसी एक व्यक्ति का नहीं,बल्कि राजनीतिक संप्रेषण की विश्वसनीयता का है, अगर शोक है, तो सादगी दिखे, अगर उत्सव है,तो स्पष्ट कहा जाए,दोनों साथ दिखें तो सवाल उठेंगे।

नेता प्रतिपक्ष का दोहरा व्यवहार आया सामने,एक दिन पहले और फिर बाद में बदल गई तस्वीरें : मामला वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रदेश सरकार में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे व्यक्तित्व से जुड़ा है,हाल ही में उन्होंने एक सोशल मिडिया संदेश जारी किया और अपने आने वाले जन्मदिवस तिथि पर किसी भी आयोजन से समर्थकों को शुभचिंतकों को दूर रहने निर्देश दिया,उन्होंने अपील किया कि दूर से ही उनके लिए बेहतर कमाना की जाए किसी करीबी के इस दुनिया से चले जाने का गम बड़ा है,मन उनका उदास है,इस संदेश और उनके जन्मदिवस तिथि के एक दिन पूर्व ही उनके जन्मदिवस की खुशियां सामने आती हैं और पार्टी के वरिष्ठ लोगों के साथ सार्वजनिक रूप से केक काटने की तस्वीर वायरल होती है,तस्वीर वायरल होते ही लोगों के बीच चर्चा भी लाजमी था जो हुई और व्यवहार का दोहरापन ही निष्कर्ष स्वरूप चर्चा का अंत साबित हुआ।

समर्थकों ने विज्ञापन भी छपवाए,गुटबाजी भी गम के माहौल में गुम नहीं हो पाई- नेता प्रतिपक्ष ने जहां मन उदास है कहकर खुशियां न मनाने का निर्णय सामने रखा वहीं पहले केक काटे जानी की तस्वीर फिर समर्थकों की विज्ञापन वाली गुटबाजी भी सामने नजर आई,समर्थकों की आपसी गुटबाजी भी गम के माहौल में गुम न हो सकी, कोरिया,एमसीबी संयुक्त समर्थक टीम के विज्ञापन से पूर्व विधायक ही गायब नजर आई, कुल मिलाकर देखा जाए तो गम केवल कथनी वाला मामला बनकर रह गया,उत्सव भी मना और गुटबाजी भी सामने आई।

विज्ञापन में नेताओं की आपसी गुटबाजी है या फिर संकलनकर्ता की यह नई टीम है?- प्रकाशित विज्ञापन कोरिया एमसीबी यह स्पष्ट साबित करता है कि कांग्रेस की आपसी गुटबाजी की यह छवि है,वैसे एक सवाल इस विज्ञापन को देखकर और उठता है कि क्या यह संकलनकर्ता की नई टीम है,वैसे संकलनकर्ता भी नेता जी के सबसे खास हैं और यदि यह उनकी नई टीम है तब तो फिर गुटबाजी से अलग यह नई एक तरकीब है।

कहीं कंबल वितरण और कहीं वृक्षारोपण भी आया नजर,जन्मदिवस पर समर्थकों ने जताई अपनी आस्था- नेता प्रतिपक्ष के जन्मदिवस अवसर पर कोरिया जिले में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बैकुंठपुर ने जरूरतमंद लोगों के बीच ठंड के मद्देनजर कंबल का वितरण किया वहीं नगर पालिका उपाध्यक्ष आशीष यादव सहित अन्य ने वृक्षारोपण किया,समर्थकों ने आस्था प्रकट करने अपने अपने स्तर पर कुछ न कुछ आयोजन किया और संदेश सोशल मिडिया के माध्यम से नेता जी तक पहुंचा दिया।

मखाना की खेती करने पर 40 प्रतिशत और यूनिट लगाने पर 50 प्रतिशत अनुदान

रायपुर, 13 दिसम्बर 2025। मखाना की खेती को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ को मखाना बोर्ड में शामिल किया गया है। इस ऐतिहासिक फैसले से राज्य में मखाना की खेती कर रहे किसानों को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। प्रदेश में मखाना की खेती करने वालों को 40 प्रतिशत और प्रोसेसिंग यूनिट लगाने वालों को 50 प्रतिशत का अनुदान मिलेगा। गौरतलब है कि पिछले दिनों धमतरी जिले में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ में मखाना की खेती के प्रयासों को देखते हुए मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा की है। राज्य में हो रहे मखाने के उत्कृष्ट उत्पादन पर केन्द्रीय मंत्री चौहान ने प्रसन्नता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मखाना बोर्ड के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक खेती,जल प्रबंधन,प्रसंस्करण तकनीक और बाजार तक पहुंच में सहायता दी जाएगी। इसी के तहत मिशन फार इंटिग्रेटेड डेव्हलपमेंट आफ हार्टिकल्चर की राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव शहला निगार ने की। बैठक में संचालक उद्यानिकी लोकेश कुमार ने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 से सेंट्रल सेक्टर स्कीम फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ मखाना प्रारंभ किया गया है। इस योजना में शत प्रतिशत केन्द्रीय अनुदान दिये जाने का प्रावधान है।

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के ससुराल समेत बड़े कोल कारोबारियों के यहां स्टेट जीएसटी की रेड,11 ठिकानों की जांच

बिलासपुर, 13 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्टेट जीएसटी की टीम ने तीन बड़े कोल कारोबारियों के ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। महावीर कोल वाशरी,फिल कोल और पारस कोल एंड बेनिफिकेशन से जुड़े कुल 11 ठिकानों पर छापेमारी की गई। यह कार्रवाई स्टेट जीएसटी सचिव मुकेश बंसल के निर्देश पर रायपुर से पहुंची टीम द्वारा की गई, जिसमें कार्यालय, आवास, प्लांट और वाशरी शामिल हैं। 12 दिसंबर की सुबह से देर रात तक चली इस कार्रवाई में अधिकारियों ने तीनों कारोबारियों के लेनदेन और आय से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच की। जांच के बाद महावीर कोल वाशरी की ओर से 10 करोड़ रुपये का सरेंडर किया गया है, जबकि अन्य दो कारोबारियों के ठिकानों पर जांच अभी जारी है। कार्रवाई आज भी जारी रहने की जानकारी है। उल्लेखनीय है कि महावीर कोल वाशरी का संबंध अभिनेत्री अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के परिवार से बताया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में कोल मिक्सिंग और अन्य गतिविधियों में इनपुट टैक्स क्रेडिट की हेराफेरी सामने आई है। अधिकारियों के अनुसार, टैक्स बचाने के लिए विभिन्न तरीकों से नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था। टैक्स चोरी का यह मामला करोड़ों रुपये का होने की आशंका जताई जा रही है। छापेमारी के दौरान जांच में जुटे अधिकारी फिलहाल इस मामले में सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहने से बचते नजर आए। हालांकि, सूत्रों के अनुसार बिलासपुर के ये तीनों बड़े कोल कारोबारी लंबे समय से जीएसटी की डायरेक्ट निगरानी में थे। बताया जा रहा है कि इन कारोबारियों का नेटवर्क देश के विभिन्न राज्यों तक फैला हुआ है। कारोबार से होने वाली आय की तुलना में कम टैक्स भुगतान पाए जाने के बाद रायपुर से विशेष टीम भेजकर यह कार्रवाई की गई।

गरियाबंद में 2 नक्सलियों ने डाले हथियार

गरियाबंद, 13 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन अभियान को एक और सफलता मिली है. यहां दो सक्रिय नक्सलियों ने हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण कर दिया है. आत्मसमर्पण करने वालों में एसडीके एरिया कमेटी का सदस्य संतोष उर्फ लालपवन और सीनापाली एरिया कमेटी की सदस्य मंजू उर्फ नंदे शामिल हैं. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोनों नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित था. दोनों मूल रूप से बस्तर जिले के निवासी हैं और वर्ष 2010 से नक्सल गतिविधियों में सक्रिय थे. इस दौरान वे 10 से अधिक नक्सली घटनाओं में शामिल रहे हैं. अधिकारियों ने बताया कि दोनों नक्सलियों ने राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता छोड़ने का निर्णय लिया है. आत्मसमर्पण के बाद वे अब मुख्यधारा में जुड़कर नया जीवन शुरू करेंगे. पुलिस और प्रशासन की ओर से आगे की पुनर्वास प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

सीबीआई कोर्ट के आदेश को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने किया निरस्त,बैंक मैनेजर को राहत

बिलासपुर, 13 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की जस्टिस रजनी दुबे ने एक आपराधिक केस की सुनवाई करते हुए कहा कि,संदेह चाहे कितना भी मजबूत क्यों न हो,वह सबूत का स्थान नहीं ले सकता। हाईकोर्ट ने अपने अहम फैसले में 36 साल पुराने लोन मामले में सीबीआई कोर्ट के दंड देने के आदेश को रद्द कर दिया है। साथ ही आरोपियों को बरी कर दिया है। इस फैसले से देना बैंक के मैनेजर समेत तीन आरोपियों को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, सीबीआई ने रायपुर के देना बैंक की तरफ से लोन मंजूर करने के एक मामले में जांच की थी। सीबीआई के अनुसार,देना बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक इंद्रजीत सोलंकी ने 1989 से 1992 के दौरान सुदर्शन जैन और सुधीर क्षीरसागर के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची।

सरकार किसानों के साथ...टोकन सिस्टम में समय की बंदिश खत्म

किसानों के लिए बड़ी सहूलियत,तूहर टोकन ऐप अब 24 घंटे उपलब्ध

रायपुर, 13 दिसम्बर 2025। प्रदेश के किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तूहर टोकन ऐप को अब 24 घंटे खोल दिया गया है। अब मोबाइल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नहीं रहेगी। किसान दिन-रात किसी भी समय अपनी सुविधा के अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे। अब किसान 13 जनवरी तक अगले 20 दिनों तक के लिए टोकन ले सकते हैं। इससे किसानों को धान विक्रय की योजना बनाने और टोकन प्राप्त करने में पर्याप्त समय मिलेगा तथा भीड़ और तकनीकी दबाव की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसान अब 31 जनवरी तक तूहर टोकन ऐप से टोकन ले सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर लघु किसनों के लिए यह सुविधा मुहैया कराई गई है उल्लेखनीय है कि टोकन प्रत्येक सहकारी समिति को आबंटित सीमा के भीतर ही जारी किए जाएंगे। किसानों से आग्रह है कि वे समय रहते तूहर टोकन ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त करें और किसी भी असुविधा से बचें। 'किसानों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)